पटना ●रविवार, 05 जनवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः351 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

"खबरों से समझौता नहीं"

जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) की... 3 www. bordernewsmirror.com बंदिश बैंडिटस की अभिनेत्री... 7

महाकुंभ में त्रिशूल लेकर तांडव, हाथी-घोड़े पर संत

बैंड-डीजे की धुन पर करतब दिखा रहे कलाकार,शानदार था पेशवाई का नजारा

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ के लिए शनिवार को निरंजनी अखाड़े की पेशवाई निकली। करीब एक हजार साधु-संत अपने पूरे राजसी वैभव के साथ हाथी-घोड़े, ऊंट और रथ पर सवार होकर निकले। बाघंबरी मठ में विधि विधान से पूजा के बाद सनातन की पताका फहराते हुए संत मेला क्षेत्र के लिए निकले। ड्रोन से यात्रा पर नजर रखी जा रही है। यात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वजा, उसके पीछे अखाड़े के ईष्ट कार्तिकेय भगवान पालकी पर विराजमान होकर चल रहे हैं। इसके पीछे अखाड़े के महामंडलेश्वर हैं। बैंड, डीजे की धुन पर कलाकार करतब दिखा रहे हैं। त्रिशूल लेकर तांडव कर रहे। रास्ते में सड़क के दोनों ओर हजारों की संख्या में लोग जुटे हैं। फूल बरसाकर संतों का स्वागत कर रहे हैं। संतों की अगुवाई अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज कर रहे हैं। प्रमुख संतों में निरंजनी पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर कैलाश नंद गिरी जी महाराज, आनंद पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर बालकनानंद जी जैसे संत शामिल हैं। संत अल्लापुर के बाघंबरी मठ से करीब 10 किमी की दूरी तय कर मेला क्षेत्र में पहुंचेंगे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्रपुरी जी महाराज ने कहा- अखाड़े से जुड़े संत पूरे देश से आए हैं। जिस प्रकार सेना की छावनी होती है, उसी प्रकार नागा संतों की भी छावनी है। यहां पर नागा संत बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री की

मनसा के अनुरूप मेले का भव्य आयोजन हो रहा है। इसमें सभी धर्म के लोगों का स्वागत है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने शनिवार को महाकुंभ मेला क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने वीआईपी घाट, संगम क्षेत्र, पुलिस लाइन और मेला परिसर सहित अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था परखी। मेला क्षेत्र में लगे ड्रोन और अन्य सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ली।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए पंजाब से 2 स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

रेलवे ने महाकुंभ मेले को देखते हुए अमृतसर-प्रयागराज और फिरोजपुर-प्रयागराज के बीच आस्थापूर्ण स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू करने की घोषणा की है। महाकुंभ मेले के श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने अमृतसर-प्रयागराज और फिरोजपुर-प्रयागराज के बीच विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू करने की घोषणा की है। ये ट्रेनें मकर संक्रांति और महाकुंभ स्नान की तिथियों को ध्यान में रखते हुए चलाई जा रही हैं, ताकि श्रद्धालु आसानी से प्रयागराज तक पहुंच सकें। रेलवे ने महाकुंभ के श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा देने और उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए इन ट्रेनों का संचालन सुनिश्चित किया है। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे समय पर अपनी बुकिंग कराएं और यात्रा से पहले ट्रेनों के समय की पुष्टि करें।

अमृतपाल सिंह की नई पार्टी के नाम का ऐलान

पंजाब में बड़ी सियासी हलचल सभी पार्टियां ऐक्टिव

चंडीगढ़ (एजेंसी)। डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तानी समर्थक श्री खडूर साहिब से निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंह और फरीदकोट संसदीय क्षेत्र से निर्दलीय सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा कर दी है। शनिवार को सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने ऐलान किया कि उनकी इस नई पार्टी का नाम शिरोमणि अकाली दल आनंदपुर साहिब होगा, जिसकी औपचारिक घोषणा 14 जनवरी को मुक्तसर के माघी मेले में होने वाले पंथ बचाओ-पंजाब बचाओ कॉन्फ्रेंस में की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब को बचाने के लिए एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन जरूरी था। श्री खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह खालसा और उनके परिवार के सहयोग से इस नई राजनीतिक पार्टी के जरिए पंजाब को बचाने का प्रयास किया जाएगा। सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने कहा कि उनकी नई पार्टी शिरोमणि अकाली दल आनंदपुर साहिब में पंजाब के पंथक सोच और अच्छे चरित्र वाले लोग शामिल होंगे।

अब 'सिख फॉर जस्टिस' पर प्रतिबंध 5 साल के लिए बढ़ाया

जस्टिस अनूप बोले-आतंकवाद को जिंदा करने की कोशिश कर रहा

अमृतसर (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के नेतृत्व वाले संगठन सिख फॉर जस्टिस पर केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए पांच साल के प्रतिबंध को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) न्यायाधिकरण ने बरकरार रखा है। 2019 से प्रतिबंधित इस संगठन पर प्रतिबंध अगले 5 साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। दिल्ली हाईकोर्ट के जज और यूएपीए

न्यायाधिकरण के अध्यक्ष जस्टिस अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए सबूतों से यह स्पष्ट होता है कि एसएफजे का खालिस्तानी आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल और खालिस्तान टाइगर फोर्स से संबंध हैं। इसके अलावा यह संगठन पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलीजेंस के साथ मिलकर पंजाब में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिश कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 9 जुलाई 2024 को जारी अधिसूचना में अवैध घोषित कर दिया था।

मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे बनकर हो गया है तैयार

यात्रियों के लिए खुशखबरी, अब 8 घंटे में तय हो जाएगी दूरी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की ओर से यात्रियों को बड़ी खुशखबरी दी गई है। 701 किलोमीटर लंबे मुंबई से नागपुर एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा हो गया है। माना जा रहा है कि इसका उद्घाटन अगले महीने फरवरी में होगा। इस एक्सप्रेसवे को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग नाम दिया गया है। नागपुर से नासिक के इगतपुरी के बीच की दूरी 625 किलोमीटर है जहां एक्सप्रेसवे पहले से ही चालू है। अब एक बार उद्घाटन होने

के बाद इससे होकर मुंबई से नागपुर की यात्रा काफी सुलभ हो जाएगा। दोनों शहरों के यात्रा का समय 16 घंटे से घटाकर 8 घंटे रह जाएगा। मुंबई-नागपुर एक्सप्रेसवे को दिसंबर 2022 और मार्च 2023 में आंशिक रूप से दो बार खोला जा चुका है। अब अंतिम खंड का निर्माण कार्य भी पूरा हो गया है और इसका उद्घाटन अगले महीने फरवरी होने की संभावना है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से इस प्रोजेक्ट के लिए अनिल कुमार बलिराम गायकवाड़ को चीफ इंजीनियर के तौर पर चुना था। अगर गायकवाड़ की बात करें तो वह फिलहाल महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में काम कर रहे हैं। बताते हैं कि यह परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रही है। इसके चालू हो जाने से महाराष्ट्र में बड़ा बदलाव आ सकता है।

कश्मीर के बांदीपोरा में खाई में गिरा सेना का ट्रक

चार जवानों की हो गई मौत, तीन जवान गंभीर घायल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना के जवानों को लेकर जा रहा एक आर्मी का ट्रक हादसे का शिकार हो गया। ट्रक ऊंची पहाड़ी से नीचे गहरी खाई में गिर गया, जिसके बाद दो जवानों की मौत हो गई, जबकि तीन घायल हैं। यह घटना बांदीपोरा जिले के वुलर व्यूप्वाइंट के पास हुई है। बांदीपोरा के जिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ मसरत इकबाल वानी ने कहा,पांच घायलों को यहां लाया गया था, जिनमें से दो की पहले ही मौत हो चुकी थी। तीन घायलों की हालत गंभीर थी जिन्हें आगे के इलाज के लिए श्रीनगर रेफर किया गया है। यह हादसा तब हुआ, जब एक मोड़ पर ट्रक को मोड़ने की कोशिश करते समय ट्रक के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। इसके बाद ट्रक पहाड़ी से सीधा नीचे खाई में जा गिरा। दुर्घटना के तुरंत बाद जवानों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दो की जान नहीं बचाई जा सकी। वहीं, तीन का इलाज अस्पताल में चल रहा है। सैनिकों को गंभीर चोटें आई हैं। पिछले साल 24 दिसंबर को भी जम्मू-कश्मीर में सेना की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। पुंछ जिले में सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर 300 फीट गहरी खाई में गिर गया था, जिससे पांच सैनिकों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के कारण का पता लगाया जा रहा है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि चालक ने सड़क के मोड़ पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया।

नहीं रहे दिग्गज वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम

मुंबई (एजेंसी)। साल 1974 और 1998 में भारत के परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाने वाले प्रख्यात भौतिक विज्ञानी राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को निधन हो गया। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने इसकी जानकारी दी। मुंबई के जसलोक अस्पताल में उनका निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे। डीएई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''हम अत्यंत

दुख के साथ सूचित करते हैं कि प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात (चार जनवरी 2025) तीन बजकर 20 मिनट पर निधन हो गया। भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं में डॉ. चिदंबरम के अद्वितीय योगदान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके दूरदर्शी नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा।''

कुकी प्रदर्शनकारियों का फिर से हल्लाबोल

● सुरक्षा बलों से भिड़ंत, एसपी दफ्तर पर हमला,कप्तान जख्मी

● सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को नहीं हटाये जाने का है विरोध

इम्फाल (एजेंसी)। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। राज्य के कांगपोकपी जिले में कुकी जनजाति के प्रदर्शनकारियों और केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच शाम में झड़प हो गई। दरअसल, प्रदर्शनकारी राज्य की राजधानी इंफाल से 45 किलोमीटर दूर कांगपोकपी में पहाड़ियों से केंद्रीय बलों को हटाने की मांग को लेकर लागू की गई आर्थिक नाकेबंदी के तहत गाड़ियों को रोकने की कोशिश कर रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर के सैबोल गांव से केंद्रीय बलों को कथित रूप से नहीं हटाये जाने को लेकर गुस्साई भीड़ ने शाम को कांगपोकपी जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर हमला बोल दिया। इस हमले में जिले के एसपी एम प्रभाकर जख्मी हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि माथे पर किसी हथियार के लगने से एसपी प्रभाकर घायल हुए। इससे कुछ दिन पहले भी प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों को पहाड़ियों पर बंकरों को हटाने से रोकने की

कोशिश की थी लेकिन शुक्रवार को हालात इस कदर बिगड़े के प्रदर्शनकारी ऑटोमेटिक हथियारों के साथ सड़कों पर उतर आए। सैबोल गांव इंफाल पूर्वी जिले की सीमा पर स्थित है। कुकी संगठन सैबोल गांव में 31 दिसंबर को सुरक्षा बलों द्वारा महिलाओं पर कथित रूप से लाठीचार्ज किए जाने के खिलाफ भी प्रदर्शन कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने गांव में केंद्रीय बलों, खासकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की लगातार तैनाती पर अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए कार्यालय पर पथराव किया और अन्य चीजें भी फेंकी।

विवादों के बीच आशीष पटेल ने योगी से की मुलाकात

शाह-नड्डा ने अनुप्रिया को कॉल की,बयानबाजी से बीजेपी-संघ नाराज

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार और अपना दल (एस) के बीच चल रही तकरार के बीच मंत्री आशीष पटेल ने सीएम से मुलाकात की। दोनों के बीच हुई शनिवार को यह मुलाकात करीब 30 मिनट की रही। योगी के गोरखपुर से लौटने के बाद मंत्री आशीष पटेल सीएम आवास पहुंचे थे।

आशीष पटेल लगातार एसटीएफ और अफसरों के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने आशीष पटेल और अनुप्रिया पटेल की बयानबाजी पर नाराजगी जाहिर की। सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा और अमित शाह ने अनुप्रिया पटेल से फोन पर बात की थी। इस दौरान संयम बरतने और अनावश्यक बयानबाजी ना करने की सलाह दी थी। भाजपा के अलावा संघ भी योगी सरकार के खिलाफ बयानबाजी से नाराज है। इसे लेकर यूपी के संघ पदाधिकारियों ने भाजपा के केंद्रीय नेताओं से बातचीत की थी।

आगामी 24 से 26 जनवरी तक स्प्रिंगफेस्ट के 66वें संस्करण का मनाया जाएगा जश्न

बीएनएम

खड़गपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर का वार्षिक, सामाजिक व सांस्कृतिक उत्सव स्प्रिंग फेस्ट है। अनुमानित दो मिलियन से अधिक लोगों की ऑनलाइन पहुंच के साथ स्प्रिंग फेस्ट एशिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जिसका आयोजन पूरी तरह से छात्रों द्वारा किया जाता है। भारत के 800 से अधिक प्रमुख कॉलेजों के उत्साही प्रतिभागी मौज-मस्ती और उल्लास के इस तीन दिवसीय उत्सव के लिए खड़गपुर में उमड़ पड़ते हैं। स्प्रिंगफेस्ट 2025 ने 24, 25 और 26 जनवरी 2025 को स्प्रिंगफेस्ट के अपने 66वें संस्करण का जश्न मनाया जाएगा। स्प्रिंगफेस्ट ने नृत्य, नाटक, संगीत, फैशन आदि को शामिल करते हुए कलात्मक कार्यक्रमों की अपनी विविधतापूर्ण श्रृंखला के लिए राष्ट्रव्यापी प्रारंभिक दौर "हिचहाइक" को सफलतापूर्वक अंजाम देगा। यह रोमांचक कार्यक्रम दस जीवंत भारतीय शहरों जिसमें दिल्ली, मुंबई, पुणे, बैंगलोर, हैदराबाद, अहमदाबाद, विशाखापत्तनम, लखनऊ, जयपुर

और चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा। स्प्रिंग फेस्ट सभी जजों को शामिल होने तथा उनके बहुमूल्य समय देने के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। प्रतिभागियों और समर्पित आयोजन टीम के उत्साह से भरपूर, दर्शकों के लिए माहौल उत्साह और आनंद से भरा हुआ था। स्प्रिंग फेस्ट छह अन्य शहरों कोलकाता, भुवनेश्वर, पटना, रांची, गुवाहाटी, रायपुर में नृत्य, नाटक, संगीत, फैशन और साहित्यिक कार्यक्रमों के लिए प्रारंभिक परीक्षाओं के शानदार आयोजन के बाद एलिमिनेशन राउंड की ओर बढ़ने के लिए तैयार है। सभी इच्छुक छात्र या सांस्कृतिक अकादमियाँ एलिमिनेशन में भाग ले सकते हैं। वेबसाइट Eliminations.springfest.in पर जाकर अपने पसंदीदा कार्यक्रम के लिए जल्दी से जल्दी पंजीकरण करवा सकते हैं। बैटल ऑफ़ बैंड्स, एक प्रमुख रॉक बैंड प्रतियोगिता, वाइल्डफ़ायर जल्द ही पाँच प्रमुख शहरों मुंबई, बैंगलोर, दिल्ली, कोलकाता और शिलांग में अपना जादू बिखेरने के

लिए आ रही है, जिसमें 1.5 लाख की पुरस्कार राशि होगी। वे सभी बैंड जो अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहते हैं और स्प्रिंगफेस्ट के इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना चाहते हैं, वे wildfire.springfest.in पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। स्प्रिंग फेस्ट में 13 अलग-अलग विधाओं में कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें 130 से ज़्यादा प्रतियोगिताएँ होती हैं, जहाँ भारत की बेहतरीन प्रतिभाएँ लगभग 35 लाख रुपये के कुल नकद पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करती हैं। इस साल, एक बार फिर, आपकी इंद्रियों को उत्तेजित करने और आपकी छिपी प्रतिभा को उजागर करने के लिए कई नए कार्यक्रम पेश किए गए हैं। ये कार्यक्रम सर्वश्रेष्ठ के लिए एक मंच के रूप में काम करते हैं, जो प्रतिभागियों को जीवन भर के अनुभव का आनंद लेने का अवसर प्रदान करते हैं। हर साल, स्प्रिंग फेस्ट एक सार्थक सामाजिक पहल भी करता है। पिछले साल, इसने समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियों को संबोधित करने और उनसे निपटने के लिए "प्रबल-फाइटिंग स्ट्रॉन्गर, वन सेल एट ए टाइम" की शुरुआत की, जिसमें अनकही ज़रूरतों को पूरा किया गया। स्टार नाइट्स हमेशा से स्प्रिंग फेस्ट के आकर्षण का एक अभिन्न अंग रही हैं। शान, सुनिधि चौहान, विशाल शेखर, किंग, न्यूक्लिया, फरहान अख्तर, अमित त्रिवेदी, शंकर-एहसान-लॉय, सलीम-सुलेमान, केके, प्रतीक कुहाड़, निखिल डिसूजा, द रघुदीक्षित प्रोजेक्ट, अग्नि, इंडियन ओशन, पाइनएप्पल एक्सप्रेस, परिक्रमा, यूफोरिया, पेंटाग्राम, द लोकल ट्रेन और कई अन्य कलाकार पिछले कुछ सालों में स्प्रिंग फेस्ट में कई शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं, जिनमें डेड बाय अप्रैल, मॉन्यूमेंट्स, टेसेरैक्ट जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय शो शामिल हैं। समृद्ध संस्कृति के इतिहास के साथ, स्प्रिंग फेस्ट एक भव्य उत्सव होने का वादा करता है, एक ऐसा उत्सव जिसे आप मिस नहीं करना चाहेंगे। अधिक जानकारी के लिए स्प्रिंग फेस्ट, आईआईटी खड़गपुर के फेसबुक पेज पर जाएं या हमारी वेबसाइट www.springfest.in पर लॉग ऑन करें।

संक्षिप्त समाचार

कॉल रिसीव नहीं करने पर दोस्तों ने मारी गोली

● दो किशोर पकड़े गए, हथियार बरामद

पटना, एजेंसी। दोस्तों ने ही राजा कुमार को पैर में गोली मार कर जख्मी कर दिया। घटना शुक्रवार को दिन में करीब साढ़े ग्यारह बजे खाजेकलां थाना क्षेत्र के फौजदारी कुआं मोहल्ला में हुई। पुलिस ने आरोपी दो नाबालिग लड़कों को गिरफ्तार कर हथियार बरामद कर लिया है। फौजदारी कुआं मोहल्ला जख्मी राजा ने बताया कि दोस्तों मोबाइल पर कॉल किया था। कॉल रिसीव नहीं किए जाने की वजह से दोस्त नाराज थे।

कर रहे थे इंतजार : दो दोस्त घर से कुछ दूरी पर उसके आने का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही घर से बाहर निकला देखते ही दोस्तों ने गोली चला दी। गोली उसके पैर में लगी। डीएसपी डॉ गौरव कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर गठित टीम ने मात्र दो घंटे के अंदर घटना में शामिल दो किशोरों को पकड़ लिया। थानाध्यक्ष प्रभात रंजन सक्सेना ने बताया कि पकड़े गये किशोर की निशानदेही पर देसी कट्टा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस को छानबीन में पता चला कि एक किशोर के खिलाफ पूर्व में खाजेकलां थाना में दो कांड अंकित हैं। इधर, जख्मी का उपचार चल रहा है। वह खतरे से बाहर है।

फोन करें, अलाव जलाने के लिए तुरंत पहुंचेगी लकड़ी

पटना, एजेंसी। ठंड से बचाव के लिए पटना जंक्शन, करबिगहिया स्टेशन, गांधी मैदान, पीएमसीएच समेत जिले के 43 स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं। इसके अलावा कहीं अलाव जलाने की जरूरत है तो लोग सीधे कंट्रोल रूम को फोन कर सकते हैं। कंट्रोल रूम का नंबर 0612-2210118 और ई-मेल आईडी है। डीएम डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने जिला आपदा प्रबंधन शाखा को सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलाने और जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण करने का निर्देश दिया है। उधर, नगर निगम द्वारा निर्मित रैनबसेरों में गरीबों को निःशुल्क रहने की सुविधा के साथ रात का भोजन भी दिया जा रहा है। दो कंबल भी दिए जा रहे हैं। अब अलाव की भी व्यवस्था की जा रही है। इससे सड़क पर सोने वाले आश्रयविहीनों को राहत मिल रही है। प्रतियोगी परीक्षा के लिए पटना आने वाले छात्रों को भी आश्रय मिल रहा है। 2 जनवरी तक 16233 लोगों ने इनमें शरण ली है। निगम द्वारा 29 रैनबसेरों का निर्माण किया गया है।

आग लगने से बाइक समेत मवेशी जले

भागलपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के गौराचौकी गांव में गुरुवार की रात चंदश्वरी यादव के गुहाल में करीब साढ़े ग्यारह बजे अचानक आग लग गई। इस घटना में चार जर्सी गाय, दो बकरी, चार बकरी के बच्चे और एक मोटरसाइकिल सहित अन्य समान जलकर राख हो गया। पीड़ित ने बताया कि मेरे घर के बगल में मवेशी का गुहाल है। देर रात आग की लपटे उठने लगी। यह देखकर ग्रामीण जमा हो गए और काफी मशक्कत के बाद आग को किसी तरह बुझाया गया। चंदश्वरी ने बताया कि इस घटना में लगभग तीन लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। कजरैली थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित ने घटना की लिखित शिकायत की है। अंचल कर्मी भी जांच के लिए आए थे।

ठंड के कारण पांचवीं तक के स्कूल बंद

गया, एजेंसी। कड़ाके की ठंड को देखते हुए जिले में पांचवीं तक के स्कूल बंद कर दिए गए हैं। शुक्रवार को डीएम डॉ. त्यागराजन ने इस बाबत निर्देश जारी किए हैं। पहली से पांचवीं तक के स्कूल के साथ प्री स्कूल, आंगनबाड़ी केन्द्र आठ जनवरी तक बंद रहेंगे। वहीं पांचवीं से उपर की कक्षाएं, कोचिंग, सरकारी और निजी विद्यालय सुबह साढ़े नौ से शाम चार बजे की बीच संचालित होंगे। यह निर्देश 04 से 8 जनवरी 2025 तक लागू रहेगा।

राज्य के किसी भी कोने से पटना साढ़े तीन घंटे में आ सकेंगे

पटना, एजेंसी। राज्य के किसी कोने से साढ़े तीन घंटे में पटना पहुंचने का नया लक्ष्य सरकार ने तय किया है। उपमुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि अगले 3 साल में (वर्ष 2027 तक) यह लक्ष्य पूरा करेंगे।

राज्य के किसी कोने से पटना 5 घंटे में पहुंचाने का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा तय किया गया लक्ष्य इस साल पूरा हो जाएगा। इसके लए पथ निर्माण विभाग नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे की निर्माणाधीन योजनाओं को तेजी से पूरा करने में लगा है। अभी बिहार में केंद्र सरकार 1 लाख 35 हजार करोड़ और राज्य सरकार 35 हजार करोड़ की सड़क योजनाओं का निर्माण कर रही है। इस अवसर पर विभाग के अपर मुख्य सचिव अधिकारी मिहिर कुमार सिंह, संदीप केआर पुडक्लकट्टी, शीर्षत कपिल अशोक के साथ एनएचएआई के आरओ वाईबी सिंह भी उपस्थित थे।

इनका निर्माण इस साल पूरा होगा

- मुजफ्फरपुर बाइपास फरवरी तक।
- बख्तियारपुर-मोकामा एनएच का फोरलेन हाईवे (आरओबी सहित) फरवरी तक।
- गंगा नदी पर औंटा-सिमरिया सिक्स लेन नया पुल फरवरी तक।
- सरिस्ताबाद-नत्थुपुर (2.80 किमी) फोरलेन सड़क जून तक।
- हाजीपुर-छपरा पथ का हिस्सा गंडक नदी पर फोरलेन पुल नवंबर तक
- मीठापुर-महुली एलिवेटेड फरवरी तक
- पटना में अशोक राजपथ में डबल डेकर पलाईओवर मार्च तक
- दीदारगंज तक गंगा पथ मार्च तक

इनका निर्माण जारी

- आमस-रामनगर-कल्याणपुर-दरभंगा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का पटना बिहटा कोईलवर खंड
- बाकरपुर-मानिकपुर फोरलेन ग्रीनफील्ड
- पटना-कोईलवर एलिवेटेड पथ
- छपरा शहर में डबल डेकर फ्लाईओवर
- बेगूसराय में 5 किमी लंबा फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर
- गोपालगंज में 3 किमी लंबा फोरलेन एलिवेटेड कॉरिडोर
- दीदारगंज तक बना गंगा पथ।
- गंगा पर पुलों का निर्माण जारी
- गंगा नदी पर निर्माणाधीन पुल
- दिघवारा-शेरपुर 6-लेन पुल
- जेपी सेतु के समानांतर 6-लेन पुल
- गांधी सेतु के समानांतर 4-लेन
- कच्चीदरगाह बिदुपुर के बीच 6-लेन
- औंटा-सिमरिया 6-लेन पुल
- विक्रमशिला सेतु के समानांतर 4-लेन
- साहेबगंज-मनिहारी के बीच 4-लेन पुल
- गंडक पर निर्माणाधीन पुल
- हाजीपुर में 4 लेन पुल 6कोन्हवाघाट में 4 लेन पुल 6डुमरियाघाट में वर्तमान पुल के समानांतर 2-लेन
- सोन पर निर्माणाधीन पुल पाण्डुका में 2-लेन पुल
- कोसी पर भेजा बकौर पुल एवं फुलौत पुल।

ऑटो को रोका तो धक्का मार भागा, पुल से नीचे गिरे दारोगा

पटना, एजेंसी। रानी तालाब थाने की पुलिस द्वारा शुक्रवार की रात कनपा पुल पर वाहन जांच की जा रही थी। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक ऑटो को रुकने का इशारा किया तो चालक पुलिसकर्मियों को धक्का मारते हुए भाग निकला। एक दारोगा पुल से 40 फीट नीचे गड्ढे में गिर गए, वहीं दो अन्य पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। बाद में पुलिस ने ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। एसआई शिव शंकर कुमार को बेहोशी की हालत में पुलिसकर्मियों ने उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया।

वहीं घायल पीएसआई संजीव कुमार ह्र अजीत प्रसाद यादव को बिक्रम पीएचसी लाया गया जहां चिकित्सक ने प्राथमिक इलाज कर पटना रेफर कर दिया। पुलिस ऑटो को लावारिस हालत में पास के गांव गोपालपुर से जब्त कर थाने ले आई है। जख्मी पुलिसकर्मियों ने बताया कि पुल के पास एक तरफ सुरक्षा रेलिंग नहीं रहने के कारण दारोगा गहरी खाई में गिर गए। पालीगंज के डीएसपी 2 उमेश्वर चौधरी, अंचल पुलिस निरीक्षक चंद्रिका प्रसाद, प्रशिक्षु डीएसपी सह रानीतालाब थानाध्यक्ष मिथिलेश कुमार स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक इलाज करा कर घायल पुलिसकर्मियों को पटना एम्स ले गए।

वाहन चेकिंग करने आईजी भी उतरीं

पटना7पुलिस मुख्यालय के आदेश पर पटना में शुक्रवार की रात वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान आईजी गरिमा मलिक भी सड़क पर उतरीं। उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ गांधी मैदान, बोरिंग रोड, बेली रोड समेत कई इलाकों में वाहन चेकिंग अभियान चलाया। सभी एसडीपीओ और थानेदार भी सड़क पर मौजूद थे। आईजी ने बताया कि यह रूटीन चेकिंग है। बाइक की तलाशी ली गई।

54.75 लाख का स्टेडियम देख-रेख के बिना बदहाल, बाउंड्री नहीं होने से जलावन रख रहे

चंपानगर, एजेंसी। एक तरफ सरकार के निर्देश पर जिले में खेल को बढ़ावा देने के लिए सभी 230 पंचायतों में खेल मैदान के निर्माण का कार्य तेज रफ्तार से चल रहा है। डीएम कुंदन कुमार निर्देश पर अधिकारी पंचायतों में जमीन चिह्नित कर खेल मैदान निर्माण के लिए प्रस्ताव भेज रहे हैं। दूसरी तरफ चंपानगर नगर पंचायत के प्लस टू वैद्यनाथ उच्च विद्यालय जगनी में 6 साल पहले 54.75 लाख की लागत से बना स्टेडियम देख-रेख व अधिकारियों की अनदेखी के कारण से दम तोड़ता नजर आ रहा है। स्कूल मैदान में चहारदीवारी नहीं होने से धीरे-धीरे लोगों ने अतिक्रमण करना शुरू कर दिया है, जो स्टेडियम खिलाड़ियों से गुलजार होना था। वहां लोग बकरी बांधने के साथ-साथ जलावन रख रहे हैं, लेकिन लाखों रुपए का स्टेडियम बेकार पड़ा है। ग्राउंड बनने के बाद से आज तक उपयोग नहीं हो पाया है। स्टेडियम को जैसे-तैसे बनाकर छोड़ दिया गया। ग्राउंड खेलने के लायक भी नहीं है।यहां के बच्चों में इतनी प्रतिभा है कि प्रत्येक वर्ष यहां के बच्चे खेल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। चाहे वो कबड्डी हो या खो-खो या सांइस ओलम्पियाड। इसी स्कूल की छात्रा सपना कुमारी अंडर -17 बालिका वर्ग खो-खो खेल प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर चयनित होकर बीते 21 से 24 दिसंबर में अयोध्या में आयोजित 68 वीं राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व कर चुकी है। विद्यालय के शारीरिक शिक्षक सुशील कुमार ने बताया विद्यालय के चयनित छात्रा सपना कुमारी को राष्ट्रीय स्तर पर बिहार टीम से खेलने के लिए चयनित किया गया था। प्लस टू वैद्यनाथ उच्च विद्यालय जगनी के बदहाल स्टेडियम को लेकर स्कूल की प्राचार्या आशा शरण ने बताया कि प्रबंध समिति का अब तक गठन नहीं हो सका है। जिस कारण चहारदीवारी का निर्माण नहीं हो सका है। लोगों को बार-बार हिदायत दी जाती है। चहारदीवारी नहीं होने के कारण से लोग स्टेडियम का अतिक्रमण कर उसमें जलावन रख देते हैं। हमलोग तो चाहते हैं जल्द चहारदीवारी बन जाए। इससे ज्यादा से ज्यादा बच्चों को प्रैक्टिस करने का मौका मिलेगा।

पटना में चलेंगी 150 इलेक्ट्रिक बसें, प्रदूषण मुक्त सफर का ले सकेंगे आनंद

पूर्णिया, भागलपुर, गया, मुजफ्फरपुर में भी होगा संचालन

पटना, एजेंसी। राजधानी को इलेक्ट्रिक बसों से लैस किया जाएगा। सीएनजी की जगह अब सिर्फ इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन किया जाएगा। इसकी शुरूआत पटना से की जाएगी। कार्बन डाइऑक्साइड गैस को नियंत्रण करने में सफल रहा तो पटना मॉडल को बिहार के भागलपुर, पुर्णिया, गया, मुजफ्फरपुर और बिहारशरीफ में लागू किया जाएगा। पटना को 150 इलेक्ट्रिक बस दिया जाएगा। परिवहन विभाग के अधिकारी के मुताबिक मार्च तक पटना में बसें पहुंचेगी। इलेक्ट्रिक बस उपलब्ध कराने के लिए कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड को जिम्मेदारी दी गई है। बिहार सहित देश के विभिन्न शहरों में बस देने के लिए तेजी से प्रक्रिया चल रही है। बिहार को 400 इलेक्ट्रिक बस फेज वाइज मिलेगा। पहले फेज में करीब 50 फीसदी से अधिक बस मिलेगी।

इलेक्ट्रिक बसों में कई नई तकनीक

इलेक्ट्रिक बसों में कई नई तकनीक मौजूद है। जिससे खासकर महिला यात्रियों को सुविधा होगी। बसों में सीसीटीवी, लाइव ट्रैकिंग, पैनिक बटन समेत कई नई तकनीक होगी हैं। सीसीटीवी और लाइव ट्रैकिंग का पूरा कंट्रोल फुलवारी शरीफ स्थित कंट्रोल एंड कमांड रूम में होगा। आपात स्थिति में यात्रियों को तुरंत सहायता मिलेगी।

महंगी होने के कारण प्राइवेट संचालक नहीं आ रहे

डीजल और सीएनजी की तुलना में इलेक्ट्रिक बस कीमत दोगुना से अधिक है। बिहार सरकार ने सब्सिडी के बाद 50 से अधिक सीएनजी बस खरीदे हैं। बिहार मोटर ट्रांसपोर्ट फेडरेशन के अध्यक्ष उदय शंकर के मुताबिक इलेक्ट्रिक बस महंगी है। अगर सरकार सब्सिडी देगी तो खरीदने के लिए विचार करेंगे।

एक घंटा में रिचार्ज, 250 किलोमीटर का सफर

इलेक्ट्रिक बस को एक घंटे चार्ज करने पर 250 किलोमीटर का दूरी तय करती है। जाम वाले इलाकों में माइलेज घट जाती है। बिना रोक-टोक लगातार चलती है तो 250 किमी का सफर तय करती है। पटना में 22 इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन किया जा रहा है। चार्जिंग स्टेशन फुलवारी शरीफ बस डिपो में है। एक बार चार-छह बस चार्ज किया जाता है। परिवहन निगम के वाहन इंजीनियर के माने तो कई तरह इलेक्ट्रिक बस लांच कर चुकी है।

राज्य में शहद उत्पादन और मार्केटिंग के लिए नीति बनेगी, मसालों की खेती होगी

पटना, एजेंसी। बागवानी महोत्सव में ऐसा पौधा लाया गया है, जिसमें टमाटर और बैंगन दोनों का उत्पादन हो रहा है। यह पौधा आकर्षण का केंद्र है। इसमें छत पर बागवानी योजना के तहत 2250 रुपए देकर 30 पौधों के साथ गमले दिए जा रहे हैं। इनमें फल-फूल, सब्जी और औषधीय पौधे शामिल हैं। छह महीने तक कृषि विभाग खुद पौधों की देख-रेख करेगा। कृषि मंत्री ने भी योजना के तहत 30 पौधे और गमले खरीदे। उन्होंने कहा कि इससे शहरों में हरियाली बढ़ेगी।

महोत्सव में 14 हजार उत्पाद प्रदर्शित

बागवानी महोत्सव में सभी जिलों से करीब 1500 किसानों ने 14 हजार से ज्यादा उत्पाद के साथ भाग लिया है। प्रदर्शनी में 60 स्टॉल लगाए गए हैं। वहां से दर्शक मनपसंद फल, फूल, सब्जी के बीज या बिचड़ा, पौधा, गमला, मधु, मखाना, मशरूम आदि खरीद सकते हैं।

राज्य में शहद उत्पादन और मार्केटिंग के लिए प्रोत्साहन नीति बनाई जाएगी। कृषि विभाग शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए यह पहल करने जा रहा है। यह घोषणा कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने शुक्रवार को गांधी मैदान में बागवानी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में की। इसके साथ तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव शुरू हो गया। मंत्री ने कहा कि नीति में भूमिहीन किसानों को शहद उत्पादन से जोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा। सूर्यमुखी, सहजन, सरसों, लीची जैसे फल-फूलों से शहद उत्पादन की नीति बनेगी। राज्य में हल्दी का अच्छा उत्पादन होता है, अब अन्य मसालों की भी खेती होगी। कृषि वैज्ञानिक मसालों की खेती पर रिसर्च करें। उन्होंने कहा कि राज्य में 13.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बागवानी की फसलों की खेती होती है, जिससे करीब 286.45 लाख मीट्रिक टन फल-फूल, सब्जी आदि का उत्पादन होता है। इसे और बढ़ाया जाएगा। मौके पर संजय अग्रवाल, अमिताभ कुमार, अभिषेक कुमार, किसान चाची राजकुमारी देवी मौजूद रहीं।

ठंड में बच्चे सर्दी, खांसी, बुखार, कोल्ड डायरिया व निमोनिया से तो बुजुर्ग ब्रेन हेमरेज और हार्ट अटैक से हो रहे हैं पीड़ित

पटना, एजेंसी। ठंड ने बच्चे और बुजुर्ग समेत सभी की परेशानी बढ़ा दी है। पीएमसीएच समेत सभी सरकारी अस्पतालों में बच्चे और बुजुर्गों की भीड़ है। बच्चे सर्दी, खांसी, बुखार, निमोनिया, दमा आदि से पीड़ित तो अधेड़ और बुजुर्ग हार्ट फेल्योर, ब्रेन हेमरेज और हार्ट अटैक की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। पीएमसीएच के शिशु विभाग के ओपीडी में प्रतिदिन 80 से 100 मरीज तो इमरजेंसी 12 से 15 मरीज भर्ती हो रहे हैं। कुछ बच्चों को आईसीयू को वेंटिलेटर की भी जरूरत पड़ रही है। पीएमसीएच के शिशु विभाग को टाटा वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। यहां नीकू, पीकू मिलाकर करीब 100 बेड है। सभी बेड पर बच्चे भर्ती हैं। इसकी पुष्टि शिशु विभाग के हेड डॉ. भूपेंद्र प्रसाद ने भी की। उन्होंने बताया कि भीड़ बढ़ने पर मैनेज करना पड़ता है, किसी बच्चे को लौटाया नहीं जाता।

इमरजेंसी और इंडोर में बच्चों से लेकर बुजुर्ग मरीजों की भारी भीड़

आईजीआईएमएस के शिशु विभाग के ओपीडी में प्रतिदिन 100 से 150 बीमार बच्चे आ रहे हैं। इसमें 90 फीसदी बच्चे सर्दी, खांसी, चेस्ट इनफेक्शन,बुखार और निमोनिया की शिकायत लेकर आ रहे हैं। शिशु विभाग में 16 आईसीयू हैं। जिसमें अधिकांश पर बच्चे भर्ती हैं। ज्यादातर बच्चे निमोनिया से पीड़ित हैं। एनएमसीएच में प्रतिदिन शिशु विभाग के ओपीडी में 100 से 110 बच्चे आ रहे हैं जबकि इमरजेंसी में प्रतिदिन 10 से 12 बच्चे भर्ती हो रहे हैं। शिशु विभाग में 15 आईसीयू समेत 136 बेड की व्यवस्था है। सिर्फ आईसीयू में आठ बच्चे भर्ती है। विभाग की हेड डॉ. अलका सिंह के मुताबिक ठंड में बच्चे चेस्ट इनफेक्शन, ब्रोंक्योलाइटिस और निमोनिया से पीड़ित होकर आ रहे हैं। कुछ बच्चे मेनिनजाइटिस से भी पीड़ित होकर भर्ती है। डॉ. अलका सिंह का कहना है कि सिर्फ कोल्ड एक्सपोजर से बचाव करने पर इन बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। ठंड अधिक हो तो छोटे बच्चों को घर में ही रखें।

शताब्दी समारोह के अवसर पर 24 फरवरी को 100 स्टूडेंट्स को मिलेगा गोल्ड मेडल

यूजी के 33 होनहार बेटों और प्रतिभावान 39 बेटियों को मिलेगा गोल्ड

पटना, एजेंसी। राज्य का सबसे बड़ा मेडिकल कॉलेज अस्पताल पीएमसीएच 25 फरवरी को 100 वर्ष का हो जाएगा। इस बार स्थापना दिवस के मौके पर कॉलेज शताब्दी समारोह मनाने जा रहा है। 100 साल पूरा होने पर कॉलेज में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसमें 100 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इसमें यूजी में 72 तो पीजी के 28 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। यूजी में छात्रों से अधिक

छात्राओं ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया है। छात्राओं को 39 गोल्ड तो छात्रों को 33 गोल्ड मेडल मिले हैं। इसकी जानकारी को लेकर शुक्रवार को पीएमसीएच एलुमनी एसोसिएशन की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। एसोसिएशन के कन्वेनर डॉ. सच्चिदानंद कुमार ने इसकी पुष्टि की। कॉन्फ्रेंस में एसोसिएशन के सचिव डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह और कर्नल डॉ. अंसारी भी मौजूद थे। 28 पोस्ट ग्रेजुएट के छात्रों को गोल्ड मेडल : 28 पोस्ट ग्रेजुएट के छात्रों को गोल्ड मेडल दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्थापना दिवस के पूर्व संध्या पर यानी 24 फरवरी को संबंधित छात्रों को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।। इस कार्यक्रम में विदेशों में रह रहे करीब दो हजार से अधिक पूर्ववर्ती छात्रों को आमंत्रित किया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यक्रम ज्ञान भवन में होंगे। समारोह का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से कराने का निर्णय लिया गया है। नहीं पहुंचे प्रिंसिपल, एसोसिएशन नाराज.... पीएमसीएच एलुमनी एसोसिएशन के सचिव डॉ. एनपी सिंह व कन्वेनर डॉ सच्चिदानंद कुमार ने कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएमसीएच के प्रिंसिपल डॉ. विद्यापति चौधरी को भी आमंत्रित किया गया था लेकिन वो नहीं आए, इससे छात्रों के साथ-साथ एसोसिएशन नाराज है। एनपी सिंह ने कहा कि शताब्दी समारोह में यदि एलुमनी एसोसिएशन को नाकारा गया तो एसोसिएशन एक बैठक कर आगे कार्यक्रम का बहिष्कार करने की रणनीति पर सोचने पर बाध्य होगा। वहीं पीएमसीएच के प्राचार्य डॉ. विद्यापति चौधरी ने कहा कि सेंटेनरी कॉलेज फाउंडेशन डे पीएमसीएच की ओर से शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी सेंटेनरी की ओर से भी की गई है।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत विभिन्न अवयवों में प्राप्त आवेदन का अनुमोदन हेतु शनिवार को जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) का बैठक जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में संपन्न हुई जिसमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी जिला का आवंटित लक्ष्य को पूर्ण कराने हेतु प्राप्त आवेदन के सभी आवश्यक पूर्ण आहर्त्ता के उपरान्त जिला स्तरीय समिति में अनुमोदन हेतु रखा गया। वहीं जिला मत्स्य पदाधिकारी ने बताया कि इस योजना अंतर्गत सामान्य वर्ग के लाभुको को 40 प्रतिशत और महिला एवं अनुसूचित जाति में 60 प्रतिशत का अनुदान भुगतान का प्रावधान है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत विभिन्न अवयवो में प्राप्त लक्ष्य की विवरणी जिसमें

(1) नया तालाब निर्माण एवं उन्नत इनपुट योजना में प्राप्त कुल लक्ष्य 25.90 हे० (सामान्य वर्ग 20.00 हे०, महिला 4.90 एवं अनुसूचित जाति 1.00) जिसके विरूद्ध 12. 41 हे0 का कार्य पूर्ण हो चुका है आज के DLC के बैठक में 67 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(2) रियरिंग तालाब निर्माण में प्राप्त कुल लक्ष्य 15.71 हे0 (सामान्य 8.56, महिला 5. 15 एवं अनुसूचित जाति 2.00) जिसके विरूद्ध 2.63 हे0 का कार्य पूर्ण हो चुका है आज के DLC

के बैठक में 27 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(3) बायोफ्लॉक तालाब निर्माण योजना में प्राप्त कुल लक्ष्य 12 यूनिट (सामान्य वर्ग 9 एवं महिला 3) जिसके विरूद्ध 02 का कार्य पूर्ण हो चुका है आज के DLC के बैठक में 10 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(4) आद्रभूमि में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन (प्रति हे0 1000 अंगुलिकाऐं 3 रूपये प्रति अंगुलिका के दर से) में प्राप्त कुल लक्ष्य 218.00 हे० जिसके विरूद्ध 51.00 हे0 का कार्यादेश निर्गत है निर्गत कार्यादेश के विरूद्ध 20.00 हे0 कार्य पूर्ण हो चुका है आज के DLC के बैठक में 15 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(5) लघु अलंकारी मछलियों का सर्वद्धन इकाई में प्राप्त कुल लक्ष्य 4 अद्द (सामान्य 1. महिला 2 एवं अनुसूचित जाति 1) जिसके विरूद्ध 3 अद्द का कार्यादेश निर्गत है निर्गत कार्यादेश के विरूद्ध 1 कार्य पूर्ण हो चुका है आज के DLC के बैठक में 5 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(6) जिन्दा मछली बिक्री केन्द्र में प्राप्त कुल लक्ष्य 1 अद्द (सामान्य वर्ग 1) का लक्ष्य प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 1 का कार्यादेश निर्गत है निर्गत कार्यादेश के विरूद्ध 60 प्रतिशत कार्यपूर्ण हो चुका है प्रथम किस्त भुगतान किया जा चुका है।

(7) लघु फिश फीड मिल (2 टन) में प्राप्त कुल लक्ष्य 5 अद्द (सामान्य वर्ग 4 एवं अनुसूचिज जाति 1) प्राप्त है जिसके विरूद्ध 5 अद्द का कार्यादेश निर्गत है निर्गत कार्यादेश के विरूद्ध 2 कार्य पूर्ण हो चुका है। 01 का कार्य प्रारंभ है।

(8) वृहद फीड मिल (20 टन) में प्राप्त कुल लक्ष्य 1 अद्द (सामान्य वर्ग 1) प्राप्त है जिसके विरूद्ध 1 अद्द का कार्यादेश निर्गत है।

(9) सूक्ष्म बायोफ्लॉक का अधिष्ठापन 7 टैंक में प्राप्त कुल लक्ष्य 10 अद्द (सामान्य वर्ग 7. महिला 3) प्राप्त है जिसके विरुद्ध 10 अद्द का कार्यादेश निर्गत है निर्गत कार्यादेश के विरूद्ध 6 कार्य प्रगति पर है जिसमें से 03 का प्रथम किस्त भुगतान किया जा चुका है आज के प्र के बैठक में 8 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(10) साईकिल-सह-आईसबॉक्स में प्राप्त कुल लक्ष्य 21 अद्द का प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 100 प्रतिशत किया जा चुका है।

(11) मोटरसाईकिल-सह-आईसबॉक्स में प्राप्त कुल लक्ष्य 19 अद्द का प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 100 प्रतिशत किया जा चुका है।

(12) तीन पहिया वाहन/ई-रिक्सा आईस बॉक्स सहित में प्राप्त लक्ष्य 4 अद्द का प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 3 का कार्यपूर्ण किया जा चुका है। आज के DLC के बैठक में 10 आवेदन को रखा गया अनुमोदनो उपरान्त कार्यादेश निर्गत किया जा रहा है।

(13) फिश किऑस्क का निर्माण (एक्कोरियम एवं अलंकारी मछली सहित) में प्राप्त कुल लक्ष्य 02 लक्ष्य प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध 02 का कार्यादेश निर्गत किया जा चुका है दोनो का कार्य प्रगति पर है 01 लाभुक को प्रथम किस्त भुगतान किया जा चुका हैं।

(14) मध्यम आकार का अलंकारी मछलियों का संवर्द्धन इकाई में प्राप्त कुल लक्ष्य 1 लक्ष्य प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध कार्यादेश निर्गत किया जा चुका है कार्य प्रगति पर है।

(15) रिक्रिएशनल मात्स्यिकी का प्रमोशन में कुल लक्ष्य 1 अदद का प्राप्त है प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध कार्यादेश निर्गत है निर्गत कार्यादेश के विरूद्ध कार्यपूर्ण कर लिया गया है। मौके पर एलडीएम ऑफिस से पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने पर डीभीबीडीसीओ हुए सम्मानित

- कालाजार उन्मूलन की ओर अग्रसर है जिला पूर्वी चम्पारण
- वर्ष 2024 में भीएल के 19 केस एवं पीकेडीएल के 05 मरीज मिलें

बीएनएम। मोतिहारी

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने पर डीभीबीडीसीओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा को सम्मानित किया है। डॉ. शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत जिले में कालाजार उन्मूलन करने हेतु सफल प्रयास किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 24 दिसम्बर 24 को पटना में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अन्तर्गत जिले को सम्मान प्राप्त हुआ है यह गर्व की बात है। डॉ. शर्मा ने बताया कि इसमें स्वास्थ्य कर्मियों के सहयोग के बिना यह संभव नहीं हो पाता। डीभीबीडीसीओ डॉ. शर्मा ने कहा कि 31 दिसम्बर 2019 को उन्होंने जब जिले में डीभीबीडीसीओ की कमान संभाली थी तब वे रक्सौल पीएचसी के प्रभारी भी थें, उस वक्त जिले में भीएल के 107 केस थे। लोगों में जागरूकता की कमी थी।उन्होंने हॉउस टू हॉउस कालाजार मरीज खोज अभियान चलवाया और जगह-जगह स्प्रे करवाया, पीएचसी पर जाँच व दवा की उपलब्धता करवाई, बैनर पोस्टर के साथ प्रचार वाहन निकलवाये, अख़बार व सोशल मीडिया

का सहारा लिया जिससे जिले में कालाजार की स्थिति में काफ़ी सुधार हुआ। वहीं कालाजार मरीजों को समय पर क्षतिपूर्ति योजना का लाभ सीधे लाभार्थी को दिलवाया। उन्होंने बताया कि जिले में 2015-353, 2016-277, 2017-191, 2018-177, 2019-107, 2020-69,2021- 51, 2022-50, 2023-19 केस मिले। डीभीबीडीसीओ डॉक्टर शरद चंद्र शर्मा ने बताया कि कालाजार बालू मक्खियों के काटने से होता है। पिछले कुछ वर्षों में स्वास्थ्य विभाग के अथक प्रयास व जागरूकता के कारण यह संभव हो पाया है कि जिले में कालाजार के मरीजों की संख्या काफी कम हो गई है। भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार एवं कंसलटेंट अभिषेक कुमार ने बताया कि कामिश वेब पोर्टल पर कालाजार के मरीजों का डाटा सुरक्षित रखते हुए मरीजों की निगरानी तथा उनके आंकड़ों का प्रबंधन की जाती है। वहीं भीबीडीएस व अन्य अधिकारियों के द्वारा कालाजार के मरीजों की फॉलोअप जांच 1 माह 6 माह एवं 12 माह पर की जाती है। रिपोर्ट को पुनः कामिश वेब पोर्टल पर पर अपलोड किया जाता है। जिसकी निगरानी जिला स्तर के पदाधिकारियों द्वारा की जाती है। पूर्वी चंपारण के 27 प्रखंडों में कालाजार के मरीजों की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

राज्य सरकार व भारत सरकार द्वारा कालाजार के मरीजों को दी जाती है आर्थिक सहायताः राज्य सरकार द्वारा कालाजार के मरीजों की आर्थिक सहायता हेतु 66 सौ रुपए दी जाती वहीं भारत सरकार द्वारा 500 अलग से दी जाती है। उन्हें कुल 7100 रुपयों की आर्थिक सहायता दी जाती है।

कालाजार के रोगियों के प्रमुख लक्षणः भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि कालाजार में व्यक्ति को 2 हफ़्तों से ज्यादा बुखार, तिल्ली का बढ़ जाना, भूख नहीं लगना, वजन में कमी, चमड़े पर दाग होना तथा इस बीमारी में खून की कमी बड़ी तेजी से होने लगती है।

रक्सौल हवाई अड्डे के लिए छोटे विमानों हेतु प्राप्त हुए बिड- एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया

बीएनएम। मोतिहारी

एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को रक्सौल हवाई अड्डे के लिए उड़ान योजना 5.2 के तहत छोटे विमानों (20 सीटर से कम) के लिए बिड प्राप्त हुए हैं। इसकी जानकारी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के जेनेरल मैनेजर (ऑपरेशन्स) संजय दुलारे ने पीएमओ के माध्यम से डॉ. (प्रो.) स्वयंभू शलभ को दी है। बताया है कि सुरक्षा प्रावधानों, अग्निशमन सेवाओं, मौसम संबंधी सेवाओं और हवाई अड्डे के संचालन और प्रबंधन के दायित्व के साथ-साथ छोटे विमानों (2बी) के संचालन के लिए रक्सौल हवाई अड्डे के विकास और भविष्य में श्रेणी (3सी) के विस्तार के लिए भूमि की उपलब्धता (निःशुल्क और सभी बाधाओं से मुक्त) के संबंध में बिहार राज्य सरकार से अपनी सहमति और कन्फर्मेशन प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। बिहार सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार है। श्री दुलारे ने आगे बताया है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को प्रोत्साहित करने, हवाई यात्रा को सुविधाजनक और किफायती बनाने के लिए 21-10-2016 को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना शुरू की। उड़ान एक मांग संचालित योजना है जिसमें एयरलाइन ऑपरेटर किसी विशेष मार्ग पर परिचालन की व्यवहार्यता का आकलन

करते हैं और समय-समय पर योजना के तहत बोली लगाते हैं। एयरलाइनों का चयन पारदर्शी बोली प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। आगे बताया है कि उड़ान योजना के प्रावधानों के अनुसार असेवित और अल्पसेवित हवाई अड्डों का पुनरुद्धार और उन्नयन एक वैध बोली द्वारा पहचान और एसएओ (चयनित एयरलाइन ऑपरेटर) के अवार्ड के माध्यम से किया जाएगा। इस बारे में डॉ. शलभ ने कहा कि आरसीएस उड़ान योजना के तहत पहली बार किसी विमान कंपनी द्वारा रक्सौल के लिए बोली प्रस्तुत की गई है जो अत्यंत स्वागतयोग्य कदम है। बिहार सरकार द्वारा भूमि समेत अन्य प्रावधानों को पूरा करने का कार्य सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है। बहुत जल्द एएआई द्वारा एयरपोर्ट के निर्माण व विकास का कार्य आरंभ होगा और रक्सौल समेत भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना साकार होगा।

बिहार के उत्पादों को जीआई टैग मिलने पर मधुरेंद्र ने रेत पर बनाई आकर्षक कलाकृति

बीएनएम। मोतिहारी

नए वर्ष 2025 के आगमन के साथ ही राजधानी पटना के गांधी मैदान में 3 जनवरी से शुरू हुए तीन दिवसीय बिहार बागवानी महोत्सव का आगाज हो गया है। वहीं शुक्रवार को चंपारण निवासी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने एक फिर से अपनी 12 घंटों के कठीन मेहनत के बाद एक ट्रक रेत पर 6 फिट ऊंची रेत पर जीआई टैग की विशाल आकृति उकेर कर महोत्सव में आए सभी किसानों भाई-बहनों का ध्यान आकर्षित किया है। बता दें कि सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने अपनी बेहतरीन कलाकृति के माध्यम से बिहार के धरोहर मिथिला मखाना, मगही पान, भागलपुरी जर्दालू और बिहार का गौरव शाही लीची व मधुमक्खी पालन सहित अन्य उत्पादों को जीआई टैग मिलने पर अपनी कलाकृति बनाकर बिहार के किसानों के लिए खुशी का संदेश दिया है। यह आकर्षण का केंद्र बना हैं। लोग इस सुंदर तस्वीर के सामने

अपने मोबाइल फोन में अपनी सेल्फी लेने से नहीं चूक रहे हैं। इस कलाकृति को देखकर हर कोई मोहित हो रहा हैं। इस कलाकृति के जरिए सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने बिहार के कई उत्पादों के साथ जीआई टैग लगने पर अपनी खुशी जाहिर करते बिहार के कृषि विभाग उद्यान निदेशालय को बधाई देते अपने फैंस को भी नववर्ष का शुभकामना दी। गौरतलब हो कि सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र महत्वपूर्ण तिथियों, देश तथा विदेशों में हुए प्राकृतिक घटनाओं व जवलंत विषयों पर तुरंत अपनी कला प्रदर्शन कर समाज को एक नया संदेश देते रहते हैं। वह अपनी रेत कला के बदौलत राज्य के हर बड़े समारोह से लेकर विदेशों में भी पहचान स्थापीत करने में कामयाबी हासिल कर बिहार का नाम अंतराष्ट्रीय फलक पर रौशन की हैं। मौके पर कृषि मंत्री मंगल पांडेय, कृषि विभाग के सचिव संजय अग्रवाल व अन्य वरीय अधिकारी समेत हजारों किसान भाई व आमलोगों ने भी सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र की कलाकृति की सराहना करते बधाई दी।

विधान पार्षद आफाक हैदर का हुआ स्वागत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के मेहसी में सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित विधान पार्षद अफाक हैदर का स्थानीय महात्मा गांधी इंटर महाविद्यालय महमदा में भव्य स्वागत किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर मेराज अहमद ने पार्षद को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। वहीं प्रो. सुरेश जायसवाल, प्रो. मनोरंजन प्रसाद श्रीवास्तव एवं प्रो. गयासुद्दीन अंसारी के द्वारा पार्षद को फूल माला से स्वागत किया तथा मोहम्मद वसीम हैदर के द्वारा पार्षद को सीप से निर्मित दर्पण भेंट की गई। एमएलसी अफाक हैदर ने महाविद्यालय के सभी कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि शिक्षा व शिक्षकों के उत्थान के लिए हम हमेशा प्रयासरत रहेंगे। मौके पर पूर्व प्राचार्य गयासुद्दीन अंसारी, प्राचार्य मरेराज अहमद, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. प्रणय शिखा, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रिजवान, शिवशंकर चौधरी, उमाशंकर प्रसाद, मनोज यादव, सत्यनारायण साह, नरेश सहनी, सुरेश राय समेत कई लोग मौजूद रहें।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

36 दिव्यांगजनों के बीच बैट्री चालित ट्राई साईकिल का वितरण

बीएनएम। मोतिहारी

मुख्यमंत्री दिव्यांगजन सशक्तिकरण छत्र योजना अंतर्गत 36 दिव्यांगजनों को बैट्री से चलने वाली ट्राईसाईकिल हेलमेट के साथ सहायक निदेशक, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग सह सामाजिक सुरक्षा कोषांग, मोतिहारी एवं महा प्रबंधक उद्योग द्वारा बुनियाद केन्द्र सदर मोतिहारी से प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न प्रखंडों के लाभुक शामिल हुए, जिन्हें हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। उक्त की कुल लागत 21,60,000 रुपये है। ज्ञातव्य हो कि इस योजना अंतर्गत पूर्वी चम्पारण जिला द्वारा अभी तक 890 बैट्री चालित ट्राईसाइकिल की स्वीकृति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित स्क्रीनिंग समिति द्वारा दी जा चुकी है। उक्त में से वर्ष 2022-23 में 353 , वर्ष 2023- 24 में 228 तथा वर्ष 2024-25 में अब तक 310 बैट्री चालित ट्राइसाइकिल की स्वीकृति दी जा चुकी है। सभी बैट्री चालित ट्राइसाइकिल का वितरण चरणबद्ध तरीके से जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर तवरेज शम्स, शिव कुमार शर्मा समेत बुनियाद केन्द्र एवं दिव्यांगजन

सशक्तिकरण के कर्मी उपस्थित रहे। सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उक्त के तहत विभिन्न योजनाओं को धरातल पर उतारकर दिव्यांगजनों के राह को आसान किया जा रहा है। सरकार की इस महत्वकांक्षी योजना के तहत बैट्री चालित ट्राईसाईकिल उपलब्ध करायी जा रही है। बैट्री चालित ट्राईसाईकिल के प्राप्त हो जाने से दिव्यांगजनों को रोजगार या शिक्षा ग्रहण करने में आसानी हो जाएगी तथा अपने कार्यस्थल/महाविद्यालय तक आसानी से पहुँच सकेंगे। इच्छुक दिव्यांगजन आनलाईन आवेदन कर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना का लाभ पात्रता पूर्ण करने वाले आवेदनो में पहले आओ, पहले पाओं के आधार पर दिया जा रहा है। आवेदन हेतु पात्रता https://online.bih.nic.in/SWF/SWFTC/Register.aspx उपरोक्त लिंक पर अपना आवेदन आनलाईन कर सकते है। यह योजना ऐसे छात्र- छात्रा या रोजगार कर रहे 18 वर्ष से अधिक उम्र के 60%से अधिक चलंत दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए है जिनके आवासन से महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/रोजगार स्थल की दूरी 3 किमी या अधिक हो। इसके अतिरिक्त आय की सीमा चालू सत्र के लिए दो लाख रूपये तक रखी गयी है। आवेदक बिहार का स्थायी निवासी होना जरूरी है तथा वर्तमान में भी बिहार में आवासित हो। इसके लिए आवश्यक दस्तावेज आय प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र,निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटोग्राफ होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

जरूरतमंद व लाचार व असहायों के लिए हर महीने अनवरत चलता रहेगा भाविप का निःशुल्क अन्नपूर्णा रसोई सेवा : डॉ.राजेन्द्र प्रसाद सिंह

बीएनएम। रक्सौल पू०च०। : शहर के पोस्ट ऑफिस के सामने भारत विकास परिषद शाखा रक्सौल के तत्वावधान में निःशुल्क अन्नपूर्णा रसोई सेवा के तहत लगातार बीसवें महीने भी गरीब व असहायों के बीच निःशुल्क भोजन वितरित किया गया । गौरतलब है कि वर्ष 2023 की चार मई से आरंभ यह सेवा अब तक कई हजार गरीब व असहायों ,दिहाड़ी मजदूरों ने आत्मतृप्त भाव से भोजन किया है तथा परिषद के इस सेवा कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है।

वहीं भाविप रक्सौल शाखा के अध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि सेवा प्रकल्पों के तहत निःशुल्क अन्नपूर्णा रसोई सेवा के तहत समाज के जरूरतमंद, लाचार और असहायों के लिए चलने वाला निःशुल्क भोजन का यह सेवा अनवरत चलता रहेगा। यहाँ आकर भोजन ग्रहण करने वाले जरूरतमंदों की सेवा और आशीर्वाद का आजीवन आकांक्षी परिषद के सभी सदस्य रहेंगे। वहीं सचिव सह मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि परिषद के पंच सूत्र में गरीबों की सेवा ही सभी सदस्यों जीवन का उदेश्य और सम्बल है। साथ ही यह धारणा आजीवन बनी रहे इसलिए सभी सदस्य सेवा के विभिन्न माध्यमों से कार्यक्रम को संपादित करने के लिए सतत् सचेष्ट रहते हैं। आज की सेवा में गर्मागर्म मसाला खिचड़ी ,आलू का भरता ,हरी धनिया चटनी एवं रंगबिरंगी तिलौरी लोगों को परोसी गयी जिसे लगभग पाँच सौ पचास लोगों ने आत्मतृप्त भाव से ग्रहण किया। आज भोजन वितरण में अजय मस्करा ,विष्णु मस्करा , रजनीश प्रियदर्शी ,सुरेश धानोठिया ,सुनील कुमार , अजय कुमार , विनोद रौनियार , ध्रुव सर्राफ ,राम एकबाल प्रसाद ,मुकेश कुमार ,धर्मेन्द्र कुमार एवं भगवती सर्राफ आदि ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

आज राजद की कार्यकर्ता सम्मेलन

बीएनएम। मोतिहारी। आज राजा बाजार बापू सभागार में तेजस्वी प्रसाद यादव की कार्यकर्ता दर्शन सह जन संवाद कार्यक्रम की तैयारी हेतु का जायजा लेते हुए राजद जिलाध्यक्ष सह विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव का यह मीटिंग मुख्य रूप से कार्यकर्ताओं से संवाद करना है। हमारे नेता कार्यकर्ता से फीडबैक लेंगे। जिले के सभी राजद पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को पास दिया गया है। पास के साथ ही मीटिंग हॉल में जाना है। पूरी तैयारियां मुकम्मल कर ली गई है i इस अवसर पर पूर्व मंत्री सह विधायक डॉक्टर शमीम अहमद पूर्व विधायक राजेंद्र राम पूर्व विधायक लक्ष्मी नारायण यादव प्रधान महासचिव सुरेश साहनी मणि भूषण श्रीवास्तव मीडिया प्रभारी जावेद अहमद मुनी लाल यादव राजेंद्र यादव मनोज यादव कुमार शिवम शाह मिलन यादव लखविंदर यादव इत्यादि उपस्थित थे ।

शहर के बड़े जमीन कारोबारी सह उद्योग पति के घर पर आर्थिक अपराध इकाई की छापा

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का है मामला

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के बड़े जमीन कारोबारी व उद्योग पति नीरज सिंह के घर पर आर्थिक अपराध इकाई पटना की टीम छापेमारी की है। यह कार्रवाई नीरज सिंह के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पतौरा पंचायत भवन के समीप स्थित घर पर की गयी है।उक्त कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने को लेकर की गयी है। बताया जा रहा है कि नीरज सिंह की मित्रता सेंट्रल जेल मोतिहारी के पूर्व जेल अधीक्षक व बेउर जेल के वर्तमान जेल अधीक्षक बिधु कमार से से थी। आज बिधु कुमार के कई ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उनसे जूडे होने के कारण नीरज सिंह के यहाँ छापेमारी की जा रही है ताकि यह पता चल सके कि बिधु कुमार का तो पैसा जमीन कारोबार एवं व्यवसाय में लगा है। टीम बडी बारिकी से करीब तीन घंटों से लगातार छापेमारी कर रही है। हालांकि समाचार प्रेषण तक छापेमारी टीम विशेष कुछ बताने से परहेज कर रही है।

बगहा-02 के शहरी पीएचसी का एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण, डॉक्टर, नर्स और सुरक्षाकर्मी थे नदारद

बीएनएम। बगहा

बगहा अनुमंडल पदाधिकारी गौरव कुमार ने बगहा-02 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का 3 जनवरी शुक्रवार की रात्रि में औचक निरीक्षण किया। औचक निरीक्षण के क्रम में एसडीएम ने कई सारी कमियां पाई। एसडीएम ने बताया कि अस्पताल में मरीज मौजूद थे ,लेकिन कोई भी डाक्टर अपने कर्तव्य स्थल पर मौजूद नहीं था। इसके साथ ही कोई भी नर्स अपने कर्तव्य स्थल पर भी उपस्थित नहीं थी और अस्पताल में सुरक्षा प्रहरी अपने कर्तव्य स्थल पर भी उपस्थित नहीं था। कार्यालय और सभी वार्डों में ताला बंद लगा हुआ था, जिसको लेकर एसडीएम ने बगहा दो शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सह हरनाटांड के प्रभारी राजेश सिंह 'नीरज' से स्पष्टीकरण मांगा है। जानकरी हो कि इससे पहले भी गौरव कुमार ने औचक निरीक्षण बगहा दो शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अस्पताल का किया था, जिसमें कई सारी लापरवाही उजागर हुई थी, इसके बावजूद दोबारा एसडीएम ने औचक निरीक्षण कीया

,जिसमें उक्त कमियां मौजूद मिली। एसडीएम ने सभी से मुद्दों पर प्रभारी से स्पष्टीकरण की मांग की है। इसके साथ ही बगहा अनुमंडलीय अस्पताल का भी एसडीएम ने शुक्रवार को दिन में निरीक्षण किया,यहां भी रोस्टर सूचना पट्ट और एंबुलेंस कर्मी मौजूद नहीं थे। जिसको लेकर बगहा अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक से भी एसडीएम ने स्पष्टीकरण की मांग की है। इसके साथ ही 3 जनवरी तक के रोस्टर की प्रति 24 घंटा के अंदर उपलब्ध कराना हेतु निर्देश एसडीएम ने दिया। वास्थ्य केंद्र और बगहा अनुमंडलीय अस्पताल प्रशासन द्वारा भारी अनियमित औचक जांच के क्रम में उजागर हुआ। जिसको लेकर एसडीएम ने दोनों ही प्रभारी से स्पष्टीकरण की मांग की है।

वाहन जांच के दौरान चोरी की बाइक के साथ दो सरगना गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर तुरकौलिया पुलिस ने वाहन जांच अभियान शुरू किया है। जहां वाहन जांच के दौरान पुलिस ने चोर को खदेड़ कर चोरी की बाइक के साथ दो चोर को पकड़ा है। एक चोर भागने में सफल रहा। पकड़ा गया चोर नेपाल सरलाही के हीरालाल साह का पुत्र रामप्रवेश साह व सत्यनारायण राय का पुत्र मिथलेश यादव है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि रात्रि में तुरकौलिया चौक के समीप वाहन जांच किया जा रहा था। वाहन जांच करने के दौरान अरेराज के तरफ से बाइक पर तीन सवार व्यक्ति तुरकौलिया के तरफ आ रहा था। तभी पुलिस वाहन को देखते ही भागने लगे। जिन्हें पुलिस बल के सहयोग से खदेड़ कर दो व्यक्ति को पकड़ा गया। वही एक व्यक्ति भागने में सफल रहा। पकड़े गए व्यक्ति पूछताछ में बताया कि वो नेपाल के रहने वाले हैं। और बॉर्डर इलाके में चोरी की मोटरसाइकिल का खरीद बिक्री करता हूं। अभी यहां मोटरसाइकिल चोरी करने तीनों आए थे। थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि जप्त बाइक को जांच करने पर पाया गया कि यह बाइक सीतामढ़ी इलाके से चोरी किया हुआ है। दोनों आरोपी को जेल भेज दिया गया है। छापेमारी दल में अपर थानाध्यक्ष मंदन कुमार, एसआई सुबोध कुमार, एसआई राजकुमार, मंजय कुमार व हवलदार रमेश प्रसाद गुप्ता आदि शामिल थे।

71 वीं वाहिनी एसएसबी ने हर्षोल्लास के साथ मनाया स्थापना दिवस

बीएनएम। मोतिहारी

71 वीं वाहिनी एसएसबी पिपराकोठी ने शनिवार को अपना 7 वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत वाहिनी के कमान्डेंट प्रफुल्ल कुमार ने वाहिनी के नाम का संदेश पढ़ कर किया तथा सभी बलकर्मियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह वाहिनी 31 दिसम्बर 2017 को पिपराकोठी में स्थापित हुई थी और तब से आज तक सीमा पर तैनात होकर अपनी पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करते आ रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान वाहिनी ने सीमा पर हो रहे अवैध तस्करी की गतिविधियों जैसे मानव –तस्करी,नशीले पदार्थों की तस्करी, आदि को रोकने का कार्य किया है इसके आलावा नकली नोटों की जब्ती करने, कोर एरिया जब्ती और अन्य महत्वपूर्ण जब्ती करने का कार्य बखूबी किया है। इसके अतिरिक्त वाहिनी के द्वारा सीमा के लोगों के लिये सामाजिक चेतना कार्यक्रम और नागरिक कल्याण कार्यक्रम

के अंतर्गत सीमावर्ती बेरोजगार युवक व युवतियों को रोजगार मुहैया कराने के लिये निःशुल्क तरह - तरह के कौशल विकास प्रशिक्षण कराया जा रहा है। इसके साथ ही सीमावर्ती ग्रामीणों और उनके पशुओं के लिए निःशुल्क दवा का वितरण किया जाता है। स्थापना दिवस के अवसर पर विभित्र तरह के खेलकूद व सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे बच्चों की जलेबी रेस प्रतियोगिता, संदीक्षा सदस्यों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता,मटका फोड़ प्रतियोगिता सांस्कृतिक नृत्य व गायन, बिहू नृत्य, भांगड़ा नृत्य, स्थानीय नृत्य इत्यादि का भी आयोजन किया गया, जिसमें वाहिनी के सभी बलकर्मियों और संदीक्षा परिवारों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रफुल्ल कुमार कमांडेंट, देवरती बनर्जी सिंह संदीक्षा अध्यक्षा, डॉ.राजेश कुमार (कमान्डेंट चिकित्सा) नीरज कुमार (द्वितीय कमान अधिकारी), दिनेश कुमार ममोत्रा उप कमान्डेट, विश्वजीत तिवारी उप कमान्डेट, उपेंद्र सिंह डांगी उप कमान्डेंट,दीपक कुमार सहायक कमान्डेंट(संचार) डॉ. राहुल राय (चिकित्साधिकारी) एवं वाहिनी के सभी अधीनस्थ अधिकारी,जवान तथा संदीक्षा परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

पहाड़पुर पश्चिमी सिसवा में अतिक्रमित भूमि पर चला बुलडोजर

कई घंटे चला रहा बुलडोजर अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात

बीएनएम। पहाड़पुर

पहाड़पुर पश्चिमी सिसवा पंचायत के वार्ड संख्या 5 में शनिवार को उस समय अफरा-तफरी और चीख पुकार होने लगा जब सरकारी भूमि पर बने घरों पर अंचल प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर खाली कराया। कुछ देर के लिए पश्चिमी सिसवा के पंचायत के वार्ड संख्या 5 पुलिस कैंप के रूप में तब्दील हो गया था यह काम हाई कोर्ट के निर्णय के आलोक में किया गया है।पश्चिमी सिसवा पंचायत के वार्ड संख्या 5 में संजीव कुमार सिंह ने हाई कोर्ट में एक रिट दायर कर उनकी भूमि के आगे की सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाया था। हाई कोर्ट ने सुनवाई कर उक्त भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश पहाड़पुर अंचलाधिकारी पुष्कर कुमार को दिया। अंचलाधिकारी जैसे ही अतिक्रमण मुक्ति हेतु पहुंचे वहां चीख पुकार शुरू हो गई।घर की महिलाएं और बच्चे रोने चिल्लाने

लगे और घर के बुजुर्ग सदस्य इन घरों से निकल सकने वाले सामग्रियों को निकालने के लिए बेचैन हो गए। वार्ड संख्या 5 पुलिस छावनी की तरह दिखने लगा। इसके लिए जिला से अतिरिक्त भारी संख्या में पुलिस बल के साथ प्रशासन मुस्तैद होकर शनिवार को यह कार्यवाही किया।अंचलाधिकारी पुष्कर कुमार ने बताया कि उक्त अतिक्रमण कारियों को स्वेच्छा से अपने घरो को हटा लेने का निर्देश अंचल कार्यालय से दिया जा चुका है। लेकिन इन लोगों ने जब स्वेच्छा से अतिक्रमण को खाली नहीं किया तो बाध्य होकर प्रशासन को यह कार्रवाई करनी पड़ी। इन्होंने यह बताया कि शनिवार को 4 लोगों का अतिक्रमण हटाया गया है। बता दें कि पश्चिमी सिसवा पंचायत के वार्ड नंबर 5 में एक सरकारी भूमि पर 4 लोगों ने कब्जा जमा लिया था। इनके पीछे वाले रैयत संजीव कुमार सिंह के द्वारा इनको हटाने के लिए रिट किया गया था। सुरक्षा व्यवस्था की कमान थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार संभाल रहे थे इस दौरान जिले से भी अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया था वही स्थानीय लोगों ने बताया कि वे लोग आवासीय भूमिहीन हैं।

हम किसी क्रांति की कसौटी पर खरे नहीं उतरे

इक्कीसवीं सदी का 25वां साल शुरू हो गया। सबको बधाई! मंगल शुभकामनाएं! वर्ष 2025 समाप्त होगा तो यह सदी एक चौथाई गुजर चुकी होगी। इतिहास में इस बात का कोई प्रमाण नहीं मिलता है कि धरती के इंसानों ने किसी और सदी का इतना इंतजार किया हो। सदियां आती थीं और चली जाती थीं। परंतु 21वीं सदी की प्रतीक्षा और उसके लिए तैयारियां बहुत पहले शुरू हो गई थी। भारत में 1984 में जब राजीव गांधी प्रधानमंत्री बने तब उन्होंने और उनके सहयोगियों ने कहा कि वे भारत को 21वीं सदी में ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं। पिछले दिनों जब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह गुजरे तो कहा गया कि 1991 में जब वे वित्त मंत्री बने थे तब उन्होंने भारत को ज्यादा मजबूती के साथ 21वीं सदी में जाने के लिए तैयार किया। अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में भी कहा जाता है कि 1998 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम बनाया। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सदी की चुनौतियों से आगे सहस्त्राब्दी यानी अगले एक हजार साल की बात कर रहे हैं और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए काम कर रहे हैं। सवाल है कि क्या 21वीं सदी के इस मुकाम पर भारत वही है, जो संचार क्रांति के जरिए राजीव गांधी या अर्थ क्रांति के जरिए मनमोहन सिंह या परमाणु परीक्षण और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के जरिए अटल बिहारी वाजपेयी बनाना चाहते थे और क्या नरेंद्र मोदी के अमृत काल की नीतियां भारत को इस सहस्राब्दी में सबसे महान बना देंगी? बहुत गहरे अतीत और विस्तृत भविष्य के प्रिज्म में इन सवालों को देखेंगे तो उसका दायरा बहुत बड़ा हो जाएगा। तब भी आकलन का आधार यही होना चाहिए कि अलग अलग प्रधानमंत्रियों ने भारत को जिस चीज के लिए तैयार किया उसे हम हासिल कर पाए या नहीं। इसी आधार पर यह आकलन किया जा सकता है कि भारत किस मुकाम पर है और यहां से इसका आगे का सफर कैसा हो सकता है। यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि भारत को 21वीं सदी में लाने की जितनी तैयारियां हुई थीं उसके अनुपात में हम बहुत कुछ हासिल नहीं कर पाए। संचार क्रांति की तमाम चर्चाओं के बावजूद हम उस क्रांति के वाहक नहीं बन सके। हम उस क्रांति से पैदा हुए उत्पादों के उपयोक्ता भर हैं। सोचें, पिछले साल की संचार क्रांति पर! पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई की उपलब्धियों से चमत्कृत है लेकिन इस क्रांति में भारत कहां है? भारत में एआई के इस्तेमाल से ठगी की जा रही है और नेता बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीर एआई से जेनरेट करके अपने को आशीर्वाद दिलवा रहे हैं ताकि चुनाव में दलित वोट हासिल कर सकें। जिस तरह हम कंप्यूटर के उपयोक्ता हुए, टेलीफोन, मोबाइल फोन और इंटरनेट के हुए उसी तरह एआई के भी उपयोक्ता होंगे। हम आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का कोई अपना उत्पाद नहीं बनाएंगे, जिसे दुनिया इस्तेमाल करे। दुनिया में बनने वाले उत्पादों का हम इस्तेमाल करेंगे। पिछले 24 साल में हम तकनीकी उत्पादों का सबसे बड़ा बाजार बन गए हैं क्योंकि हमारी आबादी 140 करोड़ है। यह स्थिति तब तक नहीं बदलेगी, जब तक शोध और विकास पर खर्च नहीं बढ़ेगा। दुर्भाग्य से भारत में न तो सरकारों की मंशा शोध पर खर्च करने की है और न भारत के उद्यमियों में इतना साहस और इतनी दूरदृष्टि है कि वे शोध पर खर्च करें। इसका नतीजा यह है कि हमारी तकनीकी उपलब्धियों का जो है शिखर है यानी इसरो, उसे भी चार हजार किलो वजन से ज्यादा का उपग्रह अमेरिका के एक उद्यमी इलॉन मस्क के स्पेस स्टेशन से लॉन्च कराना पड़ता है। यह परिघटना पिछले साल यानी 2024 की है। उम्मीद करनी चाहिए कि 2025 में हम उन उपलब्धियों को हासिल करने की ओर बढ़ेंगे, जिन्हें अमेरिका के एक निजी उद्यमी ने अपने विजन, साहस और अपने निवेश के दम पर हासिल किया है। फिलहाल तो संचार और तकनीक की क्रांति की हमारी कुल जमा उपलब्धि यह है कि हमारे यहां 45 करोड़ लोग फेसबुक यूजर हैं और यूट्यूब के रील्स देखने में सबसे ज्यादा घंटे हम लोग गुजारते हैं। दुनिया के अर्थशास्त्रियों के लिए आर्थिक क्रांति का मतलब भले यह होता है कि उससे आम लोगों की जिंदगी बदल गई, उनका जीवन स्तर बेहतर हो गया, उन्हें अच्छी शिक्षा व स्वास्थ्य की सुविधा मिल रही है और उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो गई लेकिन भारत के लिए आर्थिक क्रांति का मतलब है कि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में पांच किलो अनाज दिया जा रहा है, 50 करोड़ लोगों के जन धन खाते खुले हैं, जिसके आधार पर उनके आर्थिक समावेशन का दावा किया जा रहा है और इसके बरक्स देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया के किसी दूसरे देश के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ी है। हाल में दुनिया के जाने माने अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी भारत के दौरे पर आए थे, जिन्होंने भारत में विद्यमान आर्थिक विषमता के बारे में विस्तार से बताया। उनके लौटने के साथ ही भारत के सरकारी अर्थशास्त्री अखबारों में लेख लिख कर यह बताने में जुटे हैं कि पिकेटी गलत थे और उनका आकलन गलत था। बहरहाल, भारत में पिछले साल या यूं कहें कि पिछले कुछ सालों के आर्थिक विकास का कुल जमा हासिल 'मुफ्त की रेवड़ीÓ वाली योजनाएं हैं, जिनके दम पर चुनाव लड़े और जीते जा रहे हैं। भारत ने पहला परमाणु परीक्षा 1974 में किया। फिर 1998 में परमाणु परीक्षण के साथ ही परमाणु शक्ति संपन्न देश बन गया और 2008 में अमेरिका के साथ सिविल न्यूक्लियर डील के साथ भारत का अछूतपन भी खत्म हो गया और दुनिया ने इसे परमाणु शक्ति संपन्न देश के तौर पर स्वीकार कर लिया। परंतु क्या उससे भारत की वह प्रतिष्ठा बनी, जो दुनिया के दूसरे परमाणु शक्ति संपन्न देशों की है? क्या अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस या ब्रिटेन की तरह दुनिया में भारत का मान बढ़ा? सामरिक और कूटनीतिक उपलब्धियों के नाम पर हमारा हासिल यह है कि नेपाल और मालदीव जैसे देश चीन के गुण गा रहे हैं। हम इस बात का जश्न मना रहे हैं कि चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद काफी हद तक सुलझा लिया है। लेकिन इस बात की चिंता नहीं हो रही है कि चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हमारे ऊपर क्या असर होगा? चीन इस प्रोजेक्ट पर करीब साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। इसी तरह वह तिब्बत में ब्रह्मपुत्र पर इस धरती का सबसे बड़ा बांध बना रहा है, जिस पर 13 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगा। सोचें, भारत की सीमा पर सिर्फ दो प्रोजेक्ट पर वह 21 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है! चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शपथ समारोह में शामिल होने का न्योता दिया, जिसे उन्हें ठुकरा दिया है और इस बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका के दौरे पर गए हैं तो भाजपा के नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी ने कहा है कि उनको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए न्योते का जुगाड़ करने के लिए भेजा गया है।

तो कांग्रेस 2025 बहुत उत्साह से शुरू करती लेकिन कहीं उत्साह नहीं

शकील अख्तर

अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजपा जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ व्हट्सएप मुहिम शुरू कर दी। गांधी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर राहुल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा कार्यकाल है। इस वर्ष वे बतौर प्रधानमंत्री 11 वर्ष पूररे करेंगे। वे तीसरी बार प्रधान मंत्री बने हैं। मीडिया ने बहुत उछाला कि नेहरू के रिकार्ड की बराबरी। मगर नेहरू जब तक प्रधनमंत्री रहे 1964 तक तब तक उनके काम ही चर्चा के केन्द्र में रहे। और 27 मई 1964 के बाद आज तक भी वे ही टाक आफ द टाउन (जिसकी हर जगह चर्चा होती है, सिर्फ उसी की बातें होती हैं) हैं। नया साल शुरू हुआ है। बात तीन बार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम की होनी चाहिए। मगर नेहरू को रिप्लेस करके अगर कोई उस जगह चर्चा के केन्द्र में आता है तो वह फिर राहुल होते हैं। 11 साल से या साढ़े दस साल कहें विपक्ष में ही हैं। मगर चाहे मीडिया हो या सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और या मोदी सरकार सब 2024 के जाने से पहले और 2025 के आने के बाद भी राहुल को ही याद कर रहे हैं। वह तो हाथ में आया हरियाणा टपका दिया नहीं तो इस समय खाली याद ही नहीं कर रहे होते राहुल दिमाग में छाया होता। फोबिया हो जाता। लोकसभा चुनाव में शानदार ढंग से मोदी जी को 240 पर रोक लिया था। यह वैसा ही था जैसा 2017 के विधानसभा चुनाव में गुजरात में इसी राहुल ने भाजपा को 99 पर रोका था। मगर कन्सिस्टेन्सी (निरंतरता) जिसे भारतीय क्रिकेट टीम भी बार बार भूल जाती है नहीं रख पाने के कारण फिर अपने विरोधियों को नया मौका दे देती है। हरियाणा में कांग्रेस ने यही कहा। राहुल ने बहुत लूज शाट खेला था। यह कहकर कि यह आपस में लड़ जाते हैं फिर इन्हें एक करने का काम मेरा है।

गुटबाजी की बात इतनी हल्की नहीं थी कि राहुल इस तरह का केजुअल शाट खेल देते। मगर राजस्थान में भी इस तरह खेला और नतीजा वही हुआ। मैच गंवा दिया। अब बेलगावी कर्नाटक के सीडब्ल्यूसी में घोषणा की है कि यह साल 2025 संगठन का साल बनाएंगे। देखते हैं! संगठन को लेकर क्या सोच है इनकी। वैसे तो दो साल से ज्यादा हो गए हैं खरगे जी को अध्यक्ष बने। अब तक तो सब हो जाना चाहिए था। जिनके हेड रोल्स (सख्त सज़ा) होना थे हो जाना चाहिए थे। और जिन नए लोगों को मौका मिलना था मिल जाना चाहिए था। बेलगावी की सीडब्ल्यूसी में एक बात बहुत खास कही गई है। अगर इन लोगों ने खरगे, राहुल, प्रियंका ने कर दी तो कांग्रेस का रूप चेंज हो जाएगा। वह बात कही गई है कि हम संगठन के लिए लोगों को ढुंढ कर निकालेंगे। यह काम इन्दिरा गांधी करती थीं। जनता में से पार्टी के सिम्पेथाइजर निकालना, उनमें से कार्यकर्ता बनाना और कार्यकर्ताओं को नेता बनाना। संगठन का तरीका ही यही है। आज की कांग्रेस को तो सिम्पेथाइजर शब्द मालूम ही नहीं होगा। कार्यकर्ता को तो भूल ही गए हैं। और नेता वही दिखते हैं जो इस गोदी मीडिया को खुश करके उसमें खुद को दिखाते रहते हैं। पता नहीं राहुल प्रियंका के दिमाग में यह सवाल आता है कि नहीं कि इनसे पूछें कि तुम्हें यह मीडिया इतना दिखा कैसे देता है? जो रात दिन हम लोगों को कोसता रहता हो। कांग्रेस के नाम में ही कीड़े निकालता रहता हो वह तुमसे किस बात पर खुश है? मीडिया कांग्रेस के नाम पर खरगे, राहुल, प्रियंका को दिखाए, कांग्रेस की बातें बताए तब तो पार्टी को कुछ फायदा है। वरना इन कुछ नेताओं के मीडिया में चमकने से कांग्रेस को क्या फायदा? खैर हरियाणा में कांग्रेस ने अपना बहुत बड़ा नुकसान किया। अगर यह आपस में इस गंदे तरीके से नहीं लड़ते तो ईवीएम की कोशिशें भी शायद असफल हो जातीं। ईवीएम एक पहलू है। मगर जब पार्टी खुद ही कमजोर हो जाए तो ईवीएम को तो दूगनी ताकत से अपना खेल करने का मौका मिल जाता है। और मान लीजिए ईवीएम ने हराया तो फिर क्या यह भी मान लें कि आपने कोई गलती नहीं की। कोई नहीं चिल्ला रहा था कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो। क्या मैं बनुंगा मुख्यमंत्री, मैं बनुंगी के प्रलाप से कोई नुकसान नहीं हुआ? तो फिर पार्टी अध्यक्ष खरगे ने नवंबर में दिल्ली की सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में यह क्यों कहा कि पार्टी के नेता एक दूसरे के हराने में लगे हुए थे? तो अगर हरियाणा नहीं गंवाया होता तो महाराष्ट्र में भी सीन यह नहीं होता। और 2025 कांग्रेस बहुत उत्साह से शुरू करती। लेकिन उत्साह कहीं नहीं है। भाजपा जिसमें होना चाहिए वह अपनी नकारात्मकता से निकल ही नहीं पा रही। गुजर गए मनमोहन सिंह से घबरा गई। उनके खिलाफ व्हट्सएप मुहिम शुरू कर दी। गांधी नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह सब खराब हैं। और इनमें सबसे उपर राहुल। राहुल के पीछे ऐसे पड़े रहते हैं जैसे राहुल के बारे में अगर एक दिन भी खराब बोलना बंद कर देंगे तो राहुल छा जाएगा। उन्हें यह नहीं मालूम कि राहुल तो छाया हुआ है। बस अपने खुद स्वभाव के कारण फिनिशर नहीं बन पा रहा। पहले भारत की क्रिकेट टीम के साथ भी यह समस्या थी। मगर फिर उन्होंने मैच फिनिश करना सीखा। मतलब खेले तो अच्छा और जीते भी। देखते हैं 2025 जिसके बारे में कांग्रेस ने अपनी बेलगावी सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में बड़ी बड़ी घोषणाएं की हैं क्या होता है। संगठनका महत्व है अपना। मगर नेतृत्व का सबसे ज्यादा है। नेतृत्व अपने नेताओं को जवाबदेह बनाने वाला होना चाहिए। इन्दिरा गांधी का नेतृत्व तो डर पैदा करता था। डर इस बात का कि नेता गलत करेगा तो बचेगा नहीं। 1980 वापसी करते ही अर्जुन सिंह को बना दिया था मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री। सारे बड़े बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्यामाचरण शुक्ल प्रकाश चंद सेठी देखते रह गए। नया नेतृत्व पैदा कर दिया था। पता नहीं राहुल अपने मुख्यमंत्रियों से कामों का हिसाब किताब भी मांगते हैं या नहीं? ऐसे ही पार्टी के महासचिवों, प्रदेश अध्यक्षों, डिपार्टमेंट के चैयरमेनों से। यह काम नेतृत्व में किसी को करना पड़ेगा। खरगे खुद करें, प्रियंका करें। और राहुल जो वकाई कांग्रेस के सबसे बड़े जननेता हैं वे करें तो सबसे अच्छा। अभी राहुल का समय है। बीजेपी का कोई दांव कामयाब नहीं हो रहा। उनके विदेश जाने को मुद्दा बनाया जा रहा है। मगर नहीं बन रहा। लोग मानने लगे हैं कि राहुल उन जैसे हैं। हिप्पोक्रेट नहीं हैं। झूठे हार्ड वर्क 16- 18 घंटे काम करने की कहानी नहीं फैलाते हैं। छुट्टी जैसे हम सब मनाते हैं वह भी मनाते हैं। सबको मनाना भी चाहिए। मगर यह जो राहुल का समय है जिसे क्रिकेट में फार्म कहते हैं। हमेशा रहने वाला नहीं है। फार्म को हमेशा अस्थाई माना जाता है। टेंपरेरी। क्लास को परमानेंट। स्थाई। राजनीति में क्लास क्या है? उच्च स्थिति में। अपने निर्णयों को मनवाना। मेहनत तो राहुल बहुत करते हैं। जनता में भी बहुत जाते हैं। दो यात्राएं जबर्दस्त रहीं। समाज के अलग कामकाजी समूहों में जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर लोकसभा में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। हर काम में परफेक्ट। मगर नेता का काम होता है लोगों से काम लेना। सबसे बड़ा काम वही है। राजीव गांधी क्या कोई कम अच्छे प्रधानमंत्री थे? मगर टीम पर नियंत्रण नहीं रखा। परिणाम कुर्सी तो गई बदनाम अलग हुए। बाद में वीपी सिंह ने कहा कि बोफोर्स में कुछ नहीं था। मगर उसका क्या मतलब। ऐसा ही अब 2 जी में कहा गया। मगर अब क्या? राजीव गांधी भी चले गए मनमोहन सिंह भी चले गए। नेता को अपने सामने स्थितियों पर कंट्रोल रखना होता है। गलत को गलत सामने साबित करना और अपने नेताओं से करवाना होता है 1977 की हार को इन्दिरा गांधी 1980 में गलत साबित कर दिया। अगर इससे ज्यादा टाइम लगा देतीं तो आज कहीं कांग्रेस होती भी? बाकी अभी राहुल का समय है। मगर उसका उपयोग कितना हो पा रहा है यह कांग्रेस को और खुद उन्हें देखना और सोचना है।

क्यों वीर सावरकर के नाम पर कॉलेज खुलने से क्यों खफा है कांग्रेस?

डॉ0 आर.के. सिन्हा

वीर सावरकर के नाम पर दिल्ली यूनिवर्सिटी एक नया कॉलेज खोलने जा रही है। वीर सावरकर जैसे महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर कॉलेज खुलने से देश भर के नौजवान निश्चित रूप प्रेरित ही होंगे। इस बारे में किसी को किसी तरह का शक भी नहीं होना चाहिए। पर कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस को वीर सावरकर के नाम से ही हमेशा ही चिढ़ रहा है। अब कांग्रेस को कौन बताए कि वीर सावरकर, जिनका पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर था, भारत के स्वाधीनता आंदोलन के एक ही अत्यंत महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे। वे एक महान क्रांतिकारी, राष्ट्रवादी विचारक, लेखक और वकील थे। उनका जीवन और कार्य भारतीय इतिहास के एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी अध्याय का प्रतिनिधित्व करते हैं। काश, सावरकर के नाम पर खुलने वाले कॉलेज का विरोध करने वाले वीर सावरकर के बारे में अपने महान नेत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की ही राय को जान लेते। इंदिरा गांधी जब भारत की सूचना और प्रसारण मंत्री थीं तब उन्हीं के निर्देश पर वीर सावरकर पर केंद्रित डाक्यमेंट्री फिल्म उनके विभाग ने बनाई थी। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री रहते हुए सावरकर की स्मृति में डाक टिकट भी जारी हुआ। श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने निजी खाते से सावरकर स्मृति कोष के लिये 11 हजार रुपये का अंशदान भी किया था। श्रीमती इंदिरा गांधी ने सावरकर को " रिमार्केबल सन ऑफ इंडिया" कहा था। इंदिरा गांधी ने 20 मई 1980 को पंडित बाखले, सचिव, "स्वतंत्रवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक" के नाम से संबोधित चिट्ठी में सावरकर के योगदान का जिक्र किया था। इस पत्र में इंदिरा गांधी ने लिखा है, 'मुझे आपका पत्र 8 मई 1980 को मिला था। वीर सावरकर का ब्रिटिश सरकार के खिलाफ मजबूत प्रतिरोध हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काफी अहम है। मैं आपको देश के महान सपूत के शताब्दी समारोह के आयोजन के लिए बधाई देती हूं।' मशहूर लेखक वैभव पुरंदरे ने अपनी किताब 'द ट्रू स्टोरी ऑफ फादर ऑफ हिंदुत्व' में लिखा है कि इंदिरा गांधी का लिखा पत्र सत्य है। किताब में लिखा है कि इंदिरा गांधी ने 1966 में सावरकर के निधन पर गहरा शोक भी जताया था। इंदिरा गांधी ने सावरकर को महान क्रांतिकारी बताते हुए तारीफ की थी और एक बयान भी जारी किया था। इंदिरा गांधी ने कहा था कि सावरकर ने अपने कार्यों से पूरे देश को प्रेरित किया था। अफसोस कि कांग्रेसियों को सच जानने से कोई मतलब ही नहीं रहा। उन्हें तो मीन-मेख निकालनी है। इसलिए इतनी पुरानी पार्टी सिकुड़ती ही चली जा रही है। वीर सावरकर तो बचपन से ही देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विरोध में भाग लेना शुरू कर दिया था। सावरकर 1905 में श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा स्थापित 'इंडिया हाउस' में शामिल होने के लिए लंदन चले गए। लंदन में, उन्होंने 'अभिनव भारत' नामक एक गुप्त क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त करना था। उन्होंने '1857 का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' नामक एक पुस्तक लिखी, जिसमें उन्होंने 1857 के सिपाही विद्रोह को भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम बताया। इस पुस्तक को ब्रिटिश सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया था। सावरकर ने इटली के क्रांतिकारी नेता गिउसेप्पे मैजिनी से प्रेरणा ली और उनकी क्रांतिकारी विचारधारा को भारतीय संदर्भ में लागू करने का प्रयास किया। 1910 में, सावरकर को नासिक के जिला मजिस्ट्रेट जैक्सन की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।उन्हें दोषी ठहराया गया और 50 साल की कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में स्थित सेलुलर जेल में भेजा गया, जहाँ उन्होंने कई वर्षों तक कठोर यातनाएं सहीं। काला पानी में उन्होंने एकांत कारावास, कठोर श्रम और अमानवीय परिस्थितियों का सामना किया।कोल्हू में बेल की तरह जोतकर उनसे सूखे नारियल से तेल निकलवाया जाता था । सावरकर ने भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों में भाग लिया और अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई। सावरकर हिंदू राष्ट्रवाद के एक प्रमुख पैरोकार थे। उन्होंने एक मजबूत और एकजुट हिंदू राष्ट्र की वकालत की। सावरकर ने जाति व्यवस्था और छुआछूत जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उन्होंने हिंदू समाज में सुधार लाने के लिए कई आंदोलन चलाए। वे एक कुशल वक्ता और लेखक थे। उनके भाषणों और लेखों ने लोगों को प्रेरित किया और उनमें देशभक्ति की भावना जगाई। सावरकर के गृह राज्य महाराष्ट्र में कई संगठन और संस्थान हैं जो उनके विचारों और कार्यों को बढ़ावा देते हैं। वीर सावरकर महाराष्ट्र में एक सम्मानित और प्रभावशाली व्यक्ति हैं, और उन्हें कई लोगों द्वारा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में याद किया जाता है। वीर सावरकर का एक शानदार चित्र पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में लगा हुआ था। उनके चित्र का 26 फरवरी, 2003 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने संसद भवन में अनावरण किया था। इसे चंद्रकला कुमार कदम ने बनाया था। जब वीर सावरकर का चित्र लगाने की पहल हुई तब भी कांग्रेस ने यह कहकर विरोध किया था कि वे सांसद नहीं थे। तब कांग्रेसी भूल गए थे कि लोकमान्य तिलक तथा महात्मा गांधी जैसे राजनीति व स्वाधीनता संग्राम में अहम योगदान देने वाले व्यक्ति भी तो सांसद नहीं थे। उनके त्याग व समर्पण को देखते हुए केन्द्रीय कक्ष में उनका चित्र स्थापित कर सम्मान दिया गया। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने कुछ समय पहले वीर सावरकर पर गैर-जरूरी टिप्पणी अपमानजनक की थी। उनकी बयानबाजी से शिव सेना नेता उद्धव ठाकरे भी नाराज हो गए थे। उनहोंने तब कहा था "हम स्वातंत्र्यवीर सावरकर के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान से सहमत नहीं हैं। हमारे मन में सावरकर के लिए सम्मान है।" आपको कोई पसंद नहीं तो ठीक है। खैर, वीर सावरकर कॉलेज खुलने से राजधानी में उस महान स्वाधीनता सेनानी के नाम पर महत्वपूर्ण प्रतीक स्थापित हो जाएगा। देर से ही सही राजधानी दिल्ली में अब वीर सावरकर का एक अहम प्रतीक स्थापित होने जा रहा है।

शब्द पहेली - 8363

बाएँ से दाएँ

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार,पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना,उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव,चयन-5
20. नसीब(अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक,संकटमोचक-3
24. कार्य,काज-2
25. सुंघनी,नस-4
26. पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना,तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख,लेख-3
7. रात,रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन,लगाव-3
13. चरित्र,नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी,नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ,बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8362 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेष राशि- आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी नए काम की शुरुआत होगी, परंतु अभी अधिक लाभ की उम्मीद ना रखकर पूरी तरह से मेहनत करें। आज ऑफिस में सहकर्मियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें । ऑफिस में आपकी बेहतरीन कार्य प्रणाली से कंपनी को फायदा होगा।

वृष राशि-आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज बिजनेस में लेनदेन बहुत सोच-विचार कर करेंगे, जल्दबाजी में काम करने से बचे। आज आपके वित्तीय मामलों में सुधार आएगा। बैंकिंग सेक्टर में काम कर रहे लोग अपना टारगेट पूरा कर लेंगे ।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। अगर आप नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो घर में बात करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको अपने प्रयासों और परिश्रम के उचित परिणाम हासिल होंगे। नौकरी कर रहे लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार मिल सकता हैं। आज माता-पिता का आशीर्वाद मिलेगा।

कर्क राशि- आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यवसायिक मामलों में परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। अपने संपर्कों को और अधिक मजबूत करें। सरकारी सेवारत लोगों को अपने काम के प्रति आज सजग रहने की जरूरत है। आज पति-पत्नी के बीच उचित सामंजस्य रहेगा, मनोरंजक प्रोग्राम बनेगा। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे, एक-दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर में व्यवस्थित और खुशहाल माहौल बना रहेगा। कुछ समय अपने लिए जरूर निकालें। आज व्यवसाय को लेकर की गई मेहनत आपकी तरक्की के द्वार खोलने वाली है। साझेदारी संबंधी व्यवसाय में आपसी तालमेल बनाकर रखना अच्छा रहाने वाला है। ऑफिस के फाइनेंस संबंधी कार्यों को करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। आलस्य और थकान अपने ऊपर हावी ना होने दें। अविवाहित जातकों के विवाह की बात फ़ाइनल होगी।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई जबरदस्त होगे। आज का दिन प्रसन्नता और स्फूर्ति से भरा रहेगा। परिवारजनों के साथ किसी विशेष मुद्दे को लेकर सकारात्मक विचार-विमर्श होगा। आपकी योग्यता और काबिलियत की समाज और रिश्तेदारों के बीच सराहना होगी। आज युवाओं की गई मेहनत के शुभ परिणाम मिलने वाले हैं।

तुला राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी वाह-वाही करेंगें। आज अपने व्यक्तिगत जीवन से जुड़ा फैसला लेने का अनुकूल समय है। आपकी निपुणता और योग्यता लोगों के सामने आएगी। लाभदायक समय बना हुआ है । आपके नेतृत्व में आज बड़ा प्रोजेक्ट शुरू किया जायेगा। बच्चों की किसी उपलब्धि से आप गर्व महसूस करेंगे ।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है । आज अपने संपर्को को बढ़ाने पर जोर देंगे यह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा । आज पुरानी समस्या का समाधान मिल जाने से मानसिक रूप से बहुत ही सुकून और राहत मिलेगी। विद्यार्थियों को अपने किसी उपलब्धि से आत्मविश्वास बढ़ेगा । आज आपकी क्रिएटिविटी की लोग सराहना करेंगे। दाम्पत्य जीवन में सुखों की बढ़ोतरी होगी।

धनु राशि- आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज किसी विशेष काम को लेकर किए गए प्रयासों से बेहतर परिणाम मिलने वाले हैं । उधार दिया हुआ या कहीं फंसा हुआ पैसा मिल सकता है । अध्ययनरत युवाओं को सफलता मिलने के योग बने हुए है।

मकर राशि- आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए आप योग की रूटीन अपनाएंगे, साथ ही नकारात्मक चीज़ों से आपको बचे रहना चाहिए। अगर किसी प्रकार की समस्या चल रही है तो जीवनसाथी या अनुभवी लोगों से विचार विमर्श करने से जरूर समाधान मिलेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज सक्रिय और सकारात्मक रहने से अपनी दिनचर्या व्यवस्थित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक गतिविधियों में दिन का अधिकतर समय बीतेगा । साथ ही महत्वपूर्ण लोगों से लाभदायक संपर्क भी बनेंगे ।

मीन राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है । आज आपके व्यापार का लाभ रोज के जैसा बना रहेगा। आज कार्यस्थल पर सभी जिम्मेदारियां खुद की निगरानी में ही पूरी करने की कोशिश करेंगे । सरकारी सेवारत लोग अपने कार्यालय में किसी के साथ वाद-विवाद में न पड़े।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सिडनी टेस्टः दूसरे दिन का खेल खत्म, भारत ने 141 रन पर खोए 6 विकेट, पंत का अर्धशतक

भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हुई

सिडनी। भारत ने यहां शनिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा 8 और वाशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत के अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई और भारत को पहली पारी के आधार पर 4 रनों की बढ़त हासिल हुई। दूसरी पारी में भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने सधी शुरुआत दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने मिचेल स्टॉर्क को पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। दोनों ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसी स्कोर पर बोलैंड ने केएल राहुल (13) को बोल्ड कर भारत को पहला झटका दिया। राहुल के आउट होने के बाद जायसवाल भी चलते बने। 47 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने उन्हें बोल्ड कर दिया। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 59 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर बोलैंड का तीसरा शिकार बने। 78 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल वेबस्टर को बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में एलेक्स कैरी को कैच थमा बैठे।

पंत ने 28 गेंदों में पूरा किया अपना अर्धशतक- दूसरी ओर पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करनी शुरु की और केवल 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और अगली ही गेंद पर एक और जोरदार छक्का जड़ा। 124 के कुल स्कोर पर पैट कमिंस ने पंत की इस आतिशी पारी का अंत किया। पंत ने केवल 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की बदौलत 61 रन बनाए। पंत के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी भी कुछ खास नहीं कर सके और 129 के कुल स्कोर पर केवल 4 रन बनाकर बोलैंड का चौथा शिकार बने। इसके बाद सुंदर (नाबाद 6) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 8) ने दिन का खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन के खेल की समाप्ति पर भारत ने 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। भारत की कुल बढ़त 145 रनों की हो गई है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में स्टॉक बोलैंड ने 4, पैट कमिंस और वेबस्टर ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 पर सिमटी, ब्यू वेबस्टर का अर्धशतक- इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

भारत की पहली पारी 185 रन पर सिमटी- इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए। भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। बोलैंड के अलावा मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

भारतीय टीम की हालत से दुखी होंगे द्रविड़

सिडनी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड टीम की अभी की हालत देखकर दुखी होंगे। उन्होंने विश्व विजेता के तौर पर टीम को छोड़ा था और उनके जाने के बाद टीम की क्या हालत हो गयी। वह श्रीलंका में एकदिवसीय हारी जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर उसे 3-0 से हार टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। अब ऑस्ट्रेलिया में 1-2 से पिछड़ी हुई है, जबकि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले से तकरीबन बाहर हो चुकी है। वहीं दूसरी ओर रोहित शर्मा भी सोच रहे होंगे कि अगर द्रविड़ एक साल और कोच रहते तो अच्छा रहता। द्रविड़ के कोच रहते भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और वह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, एकदिवसीय विश्वक के फाइनल में पहुंची थी जबकि टी20 विश्वकप उसने जीता था। भारतीय कप्तान रोहित को अभी खराब दौर से गुजरने के कारण टीम से बाहर तक रहना पड़ रहा है। उन्हें किसी का समर्थन भी नहीं मिलता दिख रहा है। द्रविड़ के कोच पद छोड़ने के बाद नये कोच बने गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रलिया दौरे में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में टीम को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने भी निशाना बनाया है। वह भी खिलाड़ियों का मजाक बना रही है। कोच गंभीर का रवैया भी कप्तान को लेकर अब तक सख्त रहा है। खराब फार्म के कारण रोहित दबाव में भी दिखे मेलबर्न में बल्लेबाजी के दोरान उनका अति रक्षात्मक रुख दिखा। एकदिससीय विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद राहुल द्रविड़ कोचिंग छोड़ना चाहते थे पर रोहित ने उन्हें रुकने के लिए मनाया और भारतीय टीम विश्व विजेता बनी। इन दोनो की जुगल जोड़ी जीत की गारंटी जैसी लगती थी पर अभी टीम में गुटबाजी दिखती है। वह एकजुट नहीं नजर आती तो टीम के तौर पर आनी चाहिए। अभी वह समय है और जिस तरह से रोहित ने द्रविड़ को कोचिंग छोड़ने से रोका था उसी प्रकार कोई रोहित को रोके तो वह एक बार फिर पुराने में नजर आ सकते हैं। वह कोच के तौर पर द्रविड़ की कमी अनुभव कर रहे होंगे। वहीं द्रविड़ यह सोच रहे होंगे कि टीम इंडिया को किस जगह पर छोड़ा था और आज टीम कहां पहुंच गयी है।

फखर को इन चार टीमों के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

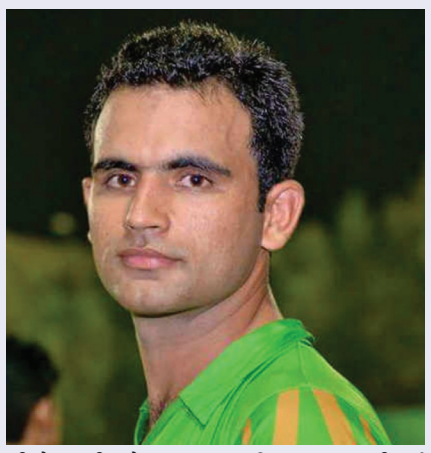

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने आगामी टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीमों को लेकर भविष्य वाणी की है। फखर ने कहा है कि इसमें पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसे टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। फखर ने बासित अली से कहा कि पाकिस्तान के अलावा भारत, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका ऐसी टीमें हैं जो सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। इसमें पाकिस्तान के साथ ही भारत और बांग्लादेश ए ग्रुप में है जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बी ग्रुप में इंग्लैंड, न ऑस्ट्रेलिया के साथ हैं। वहीं चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर औपचारिक घोषणा के साथ ही इसको लेकर संशय भी दूर हो गया। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टूर्नामेंट का कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। आठ टीमों के इस आयोजन में 50 ओवर के प्रारूप में 15 मैच शामिल होंगे और यह पाकिस्तान और दुबई में आयोजित किए जाएंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान मुकाबला 23 फरवरी को दुबई में होगा। रावलपिंडी, लाहौर और कराची पाकिस्तान में टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले तीन स्थान होंगे। प्रत्येक स्थान पर तीन ग्रुप मैच आयोजित होंगे, साथ ही लाहौर दूसरे सेमीफाइनल की भी मेजबानी करेगा। लाहौर 9 मार्च को फाइनल की मेजबानी करेगा, जब तक कि भारत क्वालीफाई नहीं कर लेता, ऐसी स्थिति में फाइनल दुबई में खेला जाएगा। सेमीफाइनल और फाइनल दोनों में आरक्षित दिन होंगे। इंग्लैंड एकमात्र भाग लेने वाला देश है जिसने इस बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए अपनी टीम की घोषणा की है। ग्रुप ए के शुरुआती मैच में पाकिस्तान 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। अगले दिन दुबई चरण की शुरुआत भारत और बांग्लादेश के बीच होगी।

इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर रह सकते हैं ये दिग्गज

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम इस साल इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी पर इसमें मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शायद ही खेलें । बुमराह को कार्याभार प्रबंधन के कारण इस सीरीज से बाहर रहना पड़ सकता है। बुमराह के अलावा रोहित शर्मा और विराट भी इस सीरीज से बाहर रह सकते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से पहले भारत की ये आखिरी 50 ओवर की सीरीज होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में कार्यभार प्रबंधन के तहत ही बुमराह को इसलिए आराम दिया जाएगा जिससे वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पूरी तरह से फिट रहें। बुमराह पिछले कुछ समय से लगाता खेल रहे हैं जिसके उनके चोटिल होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में चयनकर्ता उनको लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। वहीं विराट और रोहित का प्रदर्शन टी20 विश्वकप के बाद से ही अच्छा नहीं रहा है। ऐसें में चयनर्ता इस सीरीज के लिए भी इन्हें आराम देकर युवा खिलाड़ियों का आजमा सकते हैं।

लवलीना अब खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाएंगी

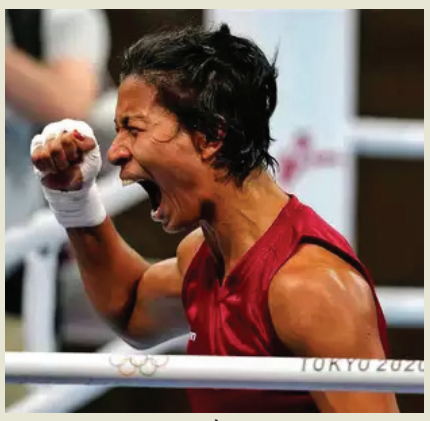

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को विश्व मुक्केबाजी संघ की नई एशियाई संस्था के एथलीट आयोग में शामिल किया गया है। ।लवलीना की जिम्मेदारी इसमें एशियाई और वैश्विक मुक्केबाजी में खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को उठाना और उनकी बेहतरी के प्रयास करना रहेगा। नई एशियाई संस्था में भारत से लवलीना के अलावा अध्यक्ष अजय सिंह सहित भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह सहित छह अधिकारियों को शामिल किया गया है। विश्व मुक्केबाजी संघ का मानना है कि एशियाई मुक्केबाजी के भविष्य को बेहतर बनाने में बीएफआई से जुड़े अधिकारी अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसी को देखते हुए इन्हें सात अहम समितियों में शामिल किया गया है। सिंह को बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बीएफआई महासचिव हेमंत कुमार कलिता और कोषाध्यक्ष दिग्विजय सिंह को ओलंपिक आयोग और वित्त एवं लेखा जांच समिति में अहम भूमिका मिली है। एशियाई मुक्केबाजी का निर्माण विश्व मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकता है। इसका काम ये पक्का करना होगा कि मुक्केबाजी 2028 और उसके बाद भी ओलंपिक खेलों में शामिल रहे।'' एथलीट आयोग में शामिल लवलीन ने पूरे एशिया में एथलीटों के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे, अवसरों और सहायता प्रणालियों को बढ़ाये जाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ''एशियाई मुक्केबाजी में एथलीट आयोग के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात है। यह सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है कि खिलाड़ियों की आवाज सुनी जाए और निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाए।'' उन्होंने कहा, ''मेरा ध्यान पूरे एशिया में बेहतर प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे, निष्पक्ष अवसरों और मजबूत समर्थन प्रणालियों को आगे बढ़ोन पर होगा जो मुक्केबाजों को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने के लिए सशक्त बनाते हैं।''

व्यापार

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह रही बढ़त

- सेंसेक्स 720 अंकों की गिरावट के साथ 79,223 पर बंद
- निफ्टी 183 अंक टूटकर 24,004 पर बंद

मुंबई। विदेशी निवेशकों की खरीदारी, मजबूत ऑटो बिक्री डेटा, बेहतर जीएसटी कलेक्शन के कारण घरेलू शेयर बाजार ने लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त का सिलसिला बरकरार रखा। हालांकि वैश्विक स्तर पर नकारात्मक रुख की वजह से कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार धराशायी हो गया। हालांकि इससे पहले दो दिन शेयर बाजार में नए साल का जश्न मनाया गया और इसमें तेजी बनी रही। शेयर बाजार के इस सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो साल के आखिरी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन घरेलू शेयर बाजार की धीमी शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 142.26 अंक गिरकर 78,556.81 पर खुला और 450.94 अंक गिरकर 78,248.13 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 48.35 अंक गिरकर 23,765.05 पर खुला और 450.94 अंक गिरकर 78,248.13 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार साल 2024 के आखिरी दिन गिरावट के साथ शुरू हो गया। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 468.14 अंक की गिरावट के साथ 77,779.99 अंक पर खुला और 109.12 अंक गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। निफ्टी 117.05 अंक फिसलकर 23,527.85 अंक पर खुला और गिरावट के साथ ही बंद हुआ। नए साल 2025 के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी सपाट कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा रुपया भी सपाट खुला। सेंसेक्स 171.81 अंक की गिरावट के साथ 77,967.20 अंक पर खुला और 368.40 अंक चढ़कर 78,507.41 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी सुस्त शुरुआत के बाद 46.4 अंक फिसलकर 23,598.40 अंक पर खुला और 98.10 अंक की बढ़त के साथ 23,742.90 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में साल के दूसरे दिन बंपर उछाल दिखा। सेंसेक्स 1,229.42 अंकों की बढ़त के साथ 79,759.48 के स्तर पर खुला और 1,436.30 अंक उछलकर 79,943.71 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 342.00 अंक चढ़कर 24,084.90 के स्तर पर खुला और 445.75 अंक बढ़कर 24,188.65 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को फर्मा और आईटी शेयरों में गिरावट के बाद सेंसेक्स 630.98 अंक गिरकर 79,324.35 पर खुला और 720.60 अंकों की गिरावट के साथ 79,223.11 पर बंद हुआ। निफ्टी 140.75 अंकों की गिरावट के साथ 24,047.90 के स्तर पर खुला और 183.91 अंक टूटकर 24,004.75 पर बंद हुआ।

देश में 2030 तक 500 अरब डॉलर तक इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं का उत्पादन होगा शुरू

भारत की वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने साल 2030 तक देश में 500 अरब डॉलर तक इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं के उत्पादन शुरू करने के लिए इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्त्वावधान में विस्तृत रणनीति रिपोर्ट तैयार करने के लिए सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और कंसल्टेंसी फर्म बेन ऐंड कंपनी से सहयोग लिया है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में संचार मंत्री अश्विनी वैष्णन जारी कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए महत्त्वाकांक्षी दृष्टिकोण की घोषणा कुछ महीने पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। इलेक्ट्रॉनिक्स की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (जीवीसी) में भारत की भागीदारी सशक्त बनाने के लिए पिछले साल जुलाई में नीति आयोग ने अध्ययन किया था। इसमें यह कहा गया था कि यह महत्त्वाकांक्षी सपना साकार हो सकता है और इसमें कम से कम 200 अरब डॉलर निर्यात से आएंगे, जहां तैयार वस्तु और कलपुर्जे की प्रमुख भूमिका रहेगी। अध्ययन में इससे 55 से 60 लाख नौकरियां पैदा होने की भी संभावना भी है। अध्ययन में लक्ष्य को हासिल करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नीतिगत हस्तक्षेप करने का भी सुझाव दिया गया है। अब मंत्रालय न केवल भारतीय बाजार के लिए बल्कि दुनिया भर में निर्यात के लिए पुर्जों की वृहद आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ इलेक्ट्रॉनिकी पुर्जों के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को एक साथ लाने की तैयारी में है। लक्ष्य हासिल करने के लिए की गई खास चर्चा के आधार पर आने वाली रिपोर्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न क्षेत्र के लिए लक्ष्य तय किए जाने की उम्मीद है, जिसमें मोबाइल डिवाइस, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सर्वर, हियरेबल्स, वेयरेबल्स और चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिकी शामिल हैं। चर्चा का उद्देश्य साल 2030 तक वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी को 6 से 7 फीसदी तक करने का है।

रिलायंस जियो का आईपीओ लाने की तैयारी में मुकेश अंबानी

40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो जल्द ही भारत का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च कर सकती है। सूत्रों के अनुसार, जियो का आईपीओ लगभग 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। यह आईपीओ ऑफर ऑफ सेल (ओएफएस) और ताजा शेयर जारी करने के साथ आएगा। रिलायंस जियो की ओर से इस आईपीओ के लिए प्री-आईपीओ प्लेसमेंट की प्रक्रिया पहले ही शुरू की जा चुकी है। निवेश बैंकर्स का मानना है कि यह आईपीओ काफी बड़ा हो सकता है, और इसमें सब्सक्रिप्शन की कोई समस्या नहीं होगी। कंपनी की योजना वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में इसे लॉन्च करने की है। रिलायंस जियो का आईपीओ देश का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है, जिससे भारतीय शेयर बाजार में हलचल मच सकती है। यदि यह आईपीओ सफल होता है, तो यह पिछले साल आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ को भी पीछे छोड़ देगा। रिलायंस जियो के आईपीओ में ओएफएस कंपोनेंट का महत्वपूर्ण स्थान होगा, क्योंकि इससे मौजूदा निवेशकों को अपनी हिस्सेदारी बेचने का मौका मिलेगा। कंपनी की वैल्यूएशन की बात करें तो कई ब्रोकरेज का कहना है कि रिलायंस जियो की वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर हो सकती है, जबकि कुछ सूत्रों के अनुसार कंपनी की वैल्यूएशन 120 अरब डॉलर तक हो सकती है। रिलायंस जियो ने हाल ही में एनवीडिया से साझेदारी की है और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में भी कदम बढ़ाए हैं। इसके साथ ही, कंपनी सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज और टेलीकॉम सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए लगातार निवेश कर रही है। रिलायंस जियो, जो कि देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम ऑपरेटर है, अब 46 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर बेस के साथ भारतीय बाजार में अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है।

जनवरी में 13 दिन बैंकों में नहीं होगा कामकाज

हर राज्य में अलग-अलग हो सकती हैं छुट्टियां

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जनवरी महीने की बैंक छुट्टियों की सूची जारी कर दी है। बैंक की सूची के मुताबिक इस महीने बैंकों में कुल 13 दिन काम नहीं होगा। इनमें हर हफ्ते के दूसरे और चौथे शनिवार के साथ रविवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। हालांकि छुट्टियां हर राज्य में अलग-अलग हो सकती हैं।

जनवरी में बैंक की छुट्टियों की सूची इस प्रकार है-

1 जनवरी – नया साल/लूसोंग/नामसूंग (आईजौल, चेन्नई, गंगटोक, इम्फाल, इटानगर, कोहिमा, कोलकाता, शिलॉन्ग)

2 जनवरी – लूसोंग/नामसूंग (आईजौल, गंगटोक)

5 जनवरी - रविवार

6 जनवरी – श्री गुरु गोबिंद सिंह जयंती (चंडीगढ़)

11 जनवरी – मिशनरी दिवस/इमोइनु इरतपा (आईजौल, इम्फाल), दूसरा शनिवार

12 जनवरी – रविवार

14 जनवरी – मकर संक्रांति/उत्तरायण/पोंगल/माघ बिहू/हजरत अली जयंती (अहमदाबाद, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, इटानगर, कानपुर, लखनऊ)

15 जनवरी – तिरुवल्लुवर दिवस (चेन्नई)

16 जनवरी – उझावर थिरुनल (चेन्नई)

19 जनवरी – रविवार

23 जनवरी – नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती/वीर सुरेंद्र साई जयंती (भुवनेश्वर, कोलकाता)

25 जनवरी – चौथा शनिवार

26 जनवरी – रविवार

हर राज्य में बैंकों की छुट्टियां अलग होती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, हर राज्य की छुट्टियों की अपनी लिस्ट होती है। आरबीआई की वेबसाइट पर सभी राज्यों की छुट्टियों की पूरी जानकारी मिल जाती है।

स्किनकेयर ब्रांड मिनिमलिस्ट को खरीदेगी एचयूएल

करीब 3,000 करोड़ रुपये में होगा सौदा

नई दिल्ली। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) त्वचा की देखभाल से जुड़े ब्रांड मिनिमलिस्ट को खरीदने के लिए विचार कर रही है। मिनिमलिस्ट ब्रांड सीधे ग्राहकों को अपने उत्पाद बेचता है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा करीब 3,000 करोड़ रुपये में हो सकता है। मिनिमलिस्ट ब्रांड की शुरुआत 2020 में हुई थी और यह अपने विशेष सामग्री आधारित स्किनकेयर उत्पादों के लिए जाना जाता है। इसने ए सीरीज की फंडिंग में यूनिलीवर वेंचर्स और सिकोया कैपिटल इंडिया से धन जुटाया था। इस करार से जुड़े मामले में भेजे गए एक ईमेल पर एचयूएल के प्रवक्ता ने जवाब दिया, अपनी कारोबारी रणनीति के अनुरूप ही लगातार अपने कारोबार के विकास और विस्तार के लिए विभिन्न रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन करते हैं। अगर इस दिशा में आगे कोई कदम उठाया जाता है जिसके लिए लागू कानूनों के तहत खुलासा करने की जरूरत होती है तब हम उचित जानकारी जरूर देंगे। सूत्रों के मुताबिक एचयूएल इसी तिमाही में इस सौदे पर अंतिम मुहर लगा देगी और कंपनी का इरादा इस ब्रांड में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल करना है। सूत्रों का यह भी कहना है कि संस्थापक कुछ हिस्सा रख सकते हैं। यह सौदा मिनिमलिस्ट के राजस्व के 8-10 गुना पर होने की संभावना है जो वित्त वर्ष 2024 में 347.4 करोड़ रुपये था। इस ब्रांड ने वित्त वर्ष 2023 में 183.8 करोड़ रुपये की कमाई की थी। कंपनी का कर के बाद मुनाफा भी दोगुने से ज्यादा बढ़कर पिछले वित्त वर्ष में 10.8 करोड़ रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2023 में 5.2 करोड़ रुपये था। यह संभावना जताई जा रही है कि यह सौदा उम्मीद से अधिक मूल्य पर हो सकता है।

फिल्म 'मार्को' ने 40 करोड़ से ज्यादा की कमाई की

मलयालम में बनी फिल्म 'मार्को' हिंदी संस्करण में 20 दिसंबर को रिलीज हुई। माउथ पब्लिसिटी की वजह से फिल्म ने 40 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है। इंडिया सिनेमा की यह सबसे वायलेंट फिल्म मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि एक्शन के मामले में यह फिल्म पुष्पा 2 से भी आगे है। हाल ही में फिल्म मार्को की स्टारकास्ट उन्नी मुकुंदन, युक्ति तरेजा और कबीर दुहान सिंह ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्नी मुकुंदन ने बताया कि फिल्म को पूरा देश पसंद करेगा, यह सोचा भी नहीं था। पेश है फिल्म की स्टारकास्ट से हुई बातचीत के कुछ और खास अंश.. ऐसा कहा जा रहा है कि इंडिया की सबसे वायलेंट फिल्म है। जब यह फिल्म मलयालम में बनी थी तब इतना पता था कि यह मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की सबसे वायलेंट फिल्म होगी। अच्छी फिल्म बनी है, लेकिन हमें उम्मीद नहीं थी कि हिंदी दर्शकों के बीच यह फिल्म इतना पसंद की जाएगी। हमारी फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि यह हॉलीवुड की फिल्म जैसी लगती है। अगर इस फिल्म को पसंद किया जा रहा है, तो इसके पीछे सभी लोगों ने बहुत मेहनत की है। मेरे करियर की यह बहुत बड़ी फिल्म है। इतने बड़े भव्य पैमाने पर बनी फिल्म में पहले नहीं काम की थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान बहुत कुछ सीखने को मिला है। शूटिंग के दौरान सभी मलयालम में बात कर रहे थे। उनकी बातें भले ही समझ में नहीं आ रही थी, लेकिन मैं समझने की कोशिश करती थी कि क्या कह रहे हैं। मुझे एक्शन से बहुत प्यार है। फिल्म के डायरेक्टर हनीफ भाई का फोन आया तो भाषा को लेकर थोड़ी सी समस्या थी, लेकिन बातों-बातों में इतना तो समझ आ गया था कि बहुत बड़ी एक्शन फिल्म बनने जा रही है। जब उन्नी से पहली बार मिला और उन्होंने बताया कि मेरा वीडियो देखकर इस फिल्म के लिए फाइनल किया था।

बंदिश बैंडिट्स की अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने की अपने फिटनेस यात्रा के बारे में खुलकर बात

बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 रिलीज़ के बाद से चर्चा में है और शो की लीड अभिनेत्री श्रेया चौधरी पर सभी की नज़रें टिकी हैं। श्रेया को उनके अभिनय के लिए खूब सराहना मिल रही है। हाल ही में वह अपनी प्रेरणादायक फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन स्टोरी को लेकर खबरों में रहीं। एक समय था जब श्रेया अपने बढ़ते वजन और आत्म-संदेह से जूझ रही थीं, लेकिन उनकी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट तब आया। जब उन्होंने अपने आदर्श ऋतिक रोशन को उनकी फिटनेस यात्रा के बारे में खुलकर बात करते हुए देखा। श्रेया कहती हैं, "मैं हमेशा से कमरे में सबसे मोटा बच्चा मानी जाती थी। ऐसा लगता था कि चाहे मैं कुछ भी कर लूं, वजन कम नहीं कर सकती। शायद मुझे मोटिवेशन की कमी थी। फिर मेरी जिंदगी में ऋतिक रोशन आए। एक फैन के रूप में उनकी फिटनेस जर्नी ने मुझे गहराई से प्रेरित किया। उन्होंने अपनी परेशानियों और उन पर काबू पाने की बात खुलकर की और इससे मुझे एक दिन जीतने की प्रेरणा मिली। मैंने भी अपनी फिटनेस पर काम करने का निर्णय लिया।" श्रेया ने अपने ट्रांसफॉर्मेशन की कुछ प्रेरणादायक तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और इसे कैप्शन दिया, "कहानी का समय - मैं अपने हर रूप को प्यार करती हूं। हर एक रूप उस मानसिक स्थिति को दर्शाता है जिससे मैं गुजर रही थी। कोई पछतावा नहीं। कोई पीछे मुड़कर देखना नहीं। मैंने समझदारी और मजबूती हासिल की है।"शुरुआत में तो यह बस सेहत के लिए था। मैं कई परेशानियों से गुजर रही थी और मुझे लगातार फिट और एक्टिव रहने की सलाह दी जाती थी। फिर मैंने ऋतिक रोशन के विचार पढ़े कि कैसे उन्होंने खुद को फिट रखा और उतार-चढ़ाव संभाले। वह मेरे बचपन के क्रश हैं और मुझे लगता है कि मेरी फिटनेस जर्नी के लिए मैं उन्हें श्रेय देती हूं। उन्होंने आगे कहा, "यही वह समय था जब मैंने बॉक्सिंग शुरू की। यह सिर्फ वर्कआउट नहीं, बल्कि थेरेपी बन गया। शुरू में मैं झिझकी थी लेकिन जैसे ही मैंने पहली बार ग्लव्स पहने, मुझे इस खेल से प्यार हो गया। मैंने महसूस किया कि सबसे बड़ी लड़ाई हमेशा अपने भीतर ही होती है। यह एक ऐसा सबक था जो मुझे मेरे नए और मजबूत संस्करण तक ले गया।" श्रेया चौधरी जल्द ही बोमन ईरानी की बहुप्रतीक्षित डायरेक्टोरियल डेब्यू द मेहता बॉयज़ में अविनाश तिवारी के साथ नजर आएंगी।

संतोष नारायणन ने शेयर किया सलमान खान के साथ काम करने का अनुभव

साजिद नाडियाडवाला की 'सिकंदर' के पावर-पैक टीज़र ने रिलीज़ होते ही हर किसी को चौंका दिया। जहां टीज़र ने सलमान खान की बेहतरीन स्वैग को एक बार फिर सबके सामने पेश किया, वहीं इसकी जबरदस्त बैकग्राउंड म्यूजिक (बीजीएम) को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस आकर्षक बीजीएम के निर्माता संतोष नारायणन, जो अपने काम को लेकर बेहद उत्साहित हैं, ने टीम के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर किया। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि 'सिकंदर' के बीजीएम को मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया पर वह कैसा महसूस कर रहे हैं, तो उन्होंने कहा, "मैं बेहद आभारी हूं और खुशी से भरा हूं कि संगीत

दर्शकों के साथ जुड़ रहा है। यह मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म है, और यह किसी सपने जैसा लगता है।" जब उनसे पूछा गया कि सलमान खान और कहानी को ध्यान में रखते हुए इस फिल्म का स्कोर बनाना कैसा रहा, तो उन्होंने जवाब दिया, "मैं आमतौर पर स्क्रिप्ट के साथ स्कोर और गानों को जितना हो सके उतना जोड़ने की कोशिश करता हूं। सिकंदर में, मुरुगदोस सर ने सलमान खान के व्यक्तित्व और उनके निभाए किरदार को शानदार तरीके से बुना है।

जान्हवी के साथ काम नहीं करना चाहते राम गोपाल वर्मा

श्री देवी बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस थीं, जिन्होंने साउथ के बड़े-बड़े दिग्गजों के साथ भी काम किया और वहां के प्रोड्यूसर्स की पहली पसंद थीं। बॉलीवुड में ऐसे कई फिल्ममेकर्स हैं जो उनके निधन के बाद भी उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं थकते। उनकी फिल्में फैंस को काफी पसंद आती हैं। 'चांदनी', 'प्रेमरोग', 'जुदाई', 'मिस्टर इंडिया', 'कुछ सच कुछ झूठा', 'आर्मी' जैसी कई फिल्में हैं, जिन्हें देखकर आज भी फैंस उनकी यादों में खो जाते हैं। श्री देवी की बेटी जान्हवी कपूर की तुलना अक्सर उनसे की जाती है। हाल ही में एक नामी प्रसिद्ध फ़िल्म निर्देशक ने कहा कि लोग भले इस बात को कहते

हैं, लेकिन उन्हें अभी तक जाह्नवी कपूर में अपनी मां जैसी बात नजर नहीं आई। उन्होंने साफ कहा कि मैं जान्हवी के साथ काम नहीं करना चाहता। 'रंगीला', 'सत्या', 'कंपनी' और 'भूत' जैसी फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा अपने बेबाक अंदाज और तीखे बयानों के लिए अक्सर सुर्खियां बटोरते रहते हैं। हाल ही में राम गोपाल वर्मा ने एक इंटरव्यू में हिंदी सिनेमा की दिवंगत दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी के प्रति अपना प्यार और सम्मान जाहिर किया। साथ ही उन्होंने अपनी बेटी और एक्ट्रेस जान्हवी कपूर के बारे में भी अपनी राय शेयर की। जान्हवी कपूर के 'देवरा' के सह-कलाकार जूनियर एनटीआर ने कहा था कि उन्हें लगा कि फिल्म के फोटो शूट के दौरान एक फ्रेम में जान्हवी अपनी मां की हूबहू कॉपी थीं। हालांकि, रामगोपाल वर्मा ने इस तुलना को खारिज कर दिया और इसे 'श्रीदेवी का हैंगओवर' बताया। 'मुझे बेटी नहीं, मां पसंद है' कहकर उन्होंने श्रीदेवी के अभिनय की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रदर्शन ने एक दर्शक के रूप में मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मैं भूल गया कि मैं एक फिल्म निर्माता हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह जान्हवी कपूर के साथ काम करेंगे? तो उन्होंने कहा, 'मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं' हालांकि, उन्होंने यह भी साफ किया कि वह यह बात किसी गलत इरादे से नहीं कह रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे करियर में कई बड़े सितारे रहे हैं जिनसे मेरा कोई कनेक्शन नहीं है, इसलिए जान्हवी कपूर के साथ फिल्म करने का मेरा कोई इरादा नहीं है।' वर्कफ्रंटवर्कफ्रंट की बात करें तो राम गोपाल वर्मा अपने 'सत्या' स्टार मनोज बाजपेयी के साथ एक फिल्म से वापसी करने के लिए तैयार हैं। हाल ही में 'देवरा' में नजर आईं जान्हवी कपूर जल्द ही 'सनी संस्कार की तुलसी कुमारी' और 'परम सुंदरी' जैसी फिल्मों में नजर आएंगी।

न्यू ईयर परफॉर्मेंस के लिए उर्वशी रौतेला को मिली मोटी फीस

नया साल 2025 कई लोगों के लिए खास है। सभी ने इस नए साल का स्वागत बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ किया। आम जनता के साथ-साथ कलाकारों ने भी अपने-अपने तरीके से नए साल का जश्न मनाया। एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के लिए नया साल रिकॉर्ड तोड़ने वाला साबित हुआ। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। उर्वशी रौतेला अपने बेहतरीन डांसिंग स्टाइल और एक्टिंग के लिए मशहूर हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है, लेकिन उर्वशी इस समय अपनी एक स्टेज परफॉर्मेंस के कारण सुर्खियों में हैं। नए साल के पहले ही दिन न्यू ईयर कॉन्सर्ट में स्टेज परफॉर्मेंस के लिए एक्ट्रेस को मोटी फीस मिली। इस कॉन्सर्ट में उन्होंने 'स्त्री-2' के गाने 'आज की रात' पर शानदार डांस किया। उनके स्टेज परफॉर्मेंस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में उर्वशी लाल रंग की ड्रेस में स्टेज पर डांस करती नजर आ रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक बताया जाता है कि इस गाने के लिए उर्वशी ने

7 करोड़ रुपये मेहनताना लिया है। इस स्टेज परफॉर्मेंस के लिए एक्ट्रेस ने स्त्री-2 के एक गाने के लिए तमन्ना भाटिया ली गई फीस से भी ज्यादा फीस ली है। हालांकि, इस आइटम सॉन्ग के लिए तमन्ना भाटिया ने 1 करोड़ रुपये की फीस ली थी। लेकिन, अब एक परफॉर्मिंग आर्टिस्ट के तौर पर सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस के तौर पर उर्वशी रौतेला का नाम चर्चा में है। उर्वशी रौतेला के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही नंदामुरी बालकृष्ण की एनबीके 109 में बॉबी देओल के साथ नजर आएंगी। वहीं फिल्म कसूर में आफताब और जस्सी गिल भी नजर आने वाले हैं।

As China Plans World's Largest Dam On Brahmaputra, India Sends A Reminder

Agency: Last week China announced that it is building the world's largest dam in Tibet - even larger than the Three Gorges Dam, which according to NASA, has slowed the Earth's rotation by 0.06 seconds. But unlike that one, which is built in central China, the new one will be built in an environmentally-sensitive Himalayan zone in Tibet, very close to the border with India. Besides the impact on the environment, the region is geologically fragile too as it falls in a high seismic zone and hence is prone to earthquakes of a relatively higher magnitude. These are two of several concerns New Delhi has about the gigantic project planned on the Brahmaputra river - which China calls by the name Yarlung Tsangpo in Tibet. Days after Beijing's announcement about the mega project, New Delhi responded Friday, saying India will "protect its interests". It also sent a reminder to Beijing reiterating its rights to the waters of the river while also seeking transparency over Beijing's plans. For now, the Ministry of External Affairs said, New Delhi will continue to closely monitor the latest developments, adding that necessary and appropriate action will be taken when required.

"We will continue to monitor and take necessary measures to protect our interests," the foreign ministry spokesperson Randhir Jaiswal said.

The project will have a massive impact on the flow of the Brahmaputra as well as the river basin. The proposed project will result in periods of severe drought and colossal floods affecting millions, perhaps tens of millions of Indians living downstream. At a press conference in New Delhi Friday, the spokesperson of the Ministry of External Affairs said that Beijing has been urged "to ensure that the interests of downstream states of the Brahmaputra are not harmed by activities in upstream areas". Addressing a question on concerns about the projects adverse impact on Arunachal Pradesh and Assam, Mr Jaiswal said, "As a lower riparian state with established user rights to the waters of the river, we have consistently expressed, through expert-level as well as diplomatic channels, our views and concerns to the Chinese side over mega projects on rivers in their territory." "These have been reiterated, along with the need for transparency and consultation with downstream countries, following the latest report," he added.

The hydroelectric project also has a geopolitical impact. The project has the potential to result in acute geopolitical tensions between India and China, as it sows the seeds of "water wars" between the two nations - something Genevieve Donnellon-May, a geopolitical and global strategy adviser wrote about in 2022.

The dam, once complete, will be the world's largest hydropower project. It is proposed to be built on the eastern rim of the Tibetan plateau, located in the lower reaches of Yarlung Zangbo (Tsangpo) or Brahmaputra river. This ambitious project is part of China's 14th five-year plan and aims to produce 300 billion kWh of electricity annually. The project cost is estimated at USD 137 billion, making it the biggest infrastructure project globally. At 300 billion kilowatt-hours of electricity annually, this new dam will more than triple the 88.2 billion kWh designed capacity of the Three Gorges Dam, currently the world's largest, in central China. During the construction of the Three Gorges Dam, China had to resettle more than 1.4 million people who were displaced because of the project. This new project is three times the size, but Beijing has not given any estimate of how many people will be displaced. The project will alter the regional ecology impacting both Tibet and India. It will also change the course of the river downstream - having a damaging impact on India and change the agricultural landscape.

Bulldozer runs on the hideout of the accused of journalist Mukesh Chandrakar's murder

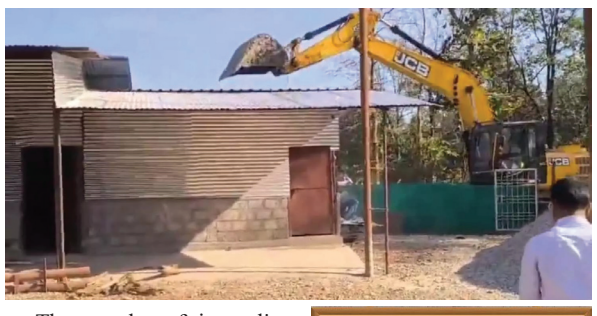

Chandrakar was murdered with an axe and buried in a safety tank.

The murder of journalist Mukesh Chandrakar in Bastar, Chhattisgarh has become a cause of great controversy and concern. This murder is not only a serious blow to the journalism community, but also presents a serious challenge to democracy and freedom of expression. IG P Sundararaj will give information through a press conference at 4 pm today. It is being told that a big disclosure can be made in the press conference. Bulldozer runs on the hideout of the accused of murdering Bijapur journalist Mukesh Chandrakar.

The Chhattisgarh government has taken this action against the accused contractor. Chandrakar was murdered with an axe and buried in a safety tank. The body of journalist Mukesh Chandrakar of Bijapur district was found in a septic tank at the residence of contractor Suresh Chandrakar. In this case, the police have arrested four accused including the contractor. Killer contractor Suresh Chandrakar is the same person who has always been in the news for his lifestyle. He had the most expensive wedding in the Naxal-affected Bastar area. To fulfill his wife's demand, he had booked a helicopter on rent. This was discussed all over the state.

3 Soldiers Die As Army Vehicle Falls Into Gorge In Jammu And Kashmir

Agency: Three soldiers died after an Army truck skidded off the road and plunged into a gorge in Jammu and Kashmir's Bandipora district on Saturday. Officials said bad weather played a role in the accident, which occurred near the SK Payen area around 2.30 pm. In a statement, the Army said, "A vehicle of Indian Army skid and fell into the gorge due to inclement weather and poor visibility conditions. Injured soldiers were promptly evacuated for medical care with assistance from Kashmiri locals, for which we express gratitude towards the citizens in providing immediate succour." "Tragically three bravehearts lost their lives in the unfortunate accident. Indian Army extends heartfelt condolences to the bereaved families," the Army said. In a similar incident last month, five soldiers died and five others were injured after the truck they were travelling in plunged into a 300-foot gorge in Jammu and Kashmir's Poonch.

Diljit Dosanjh Proposes "Events Bigger Than Coachella" To PM Modi

In a historic event, Punjabi pop sensation Diljit Dosanjh met Prime Minister Narendra Modi on Thursday. During the conversation with PM Modi, Diljit proposed the idea of a bigger festival than Coachella, courtesy the country's rich culture. When PM Modi asked Diljit about his experiences of going to some of the biggest music festivals in the world, the musician said, "Sir, I feel that they have made Coachella or any other festival that take place (big). We can make it much bigger. People travel from all over the world for such festivals." Not just that, he also highly applauded India's rich culture of music present in every nook and corner of the country. "We have such a rich culture. If we are eating food in a dhaba, and someone is singing in Rajasthani, it is such a melodious song, that I say, 'I should stop singing'. He is singing such a good song. And I sing professionally, this person is not even singing professionally. And he is singing better than me. He has so much art in him," Diljit humbly stated. "If such a development happens here, people from all over the world can come," Diljit said, pitching the idea of a music festival of that magnitude in India. PM Modi was quick to respond to this, mentioning that he had a thought regarding the same. "I have been thinking for many years, but now I am doing it. Waves. My idea is, such a big country, and most of the world's films are made here. The biggest creative industry in the world is here. So I am creating a big wave movement here. And I am going to unite the world's creative world," he said. PM Modi also recalled how the Chancellor of Germany, Merkel, engaged with him in a conversation bout music. "Now the center of the world's creative world will be India. Once, the Chancellor of Germany, Merkel, we met. She asked me about music. I told her, in my country, the music before sunrise is different, and the music after sunrise is different. I said, I have different types of music," he said. "There is music for each type. Then I said, if there is a sad situation, there is one type of music, and if there is joy, there is one type of music. Then she was very interested," he concluded. Diljit Dosanjh has been all over the country for the India leg of his world-renowned Dil-Luminati Tour. The concert began in October with a Delhi show and concluded on December 31 with a show in Ludhiana.

India Breaks Silence On The H-1B Visa Debate

Agency: India has emphasised the importance of skilled professionals' movement between India and the US, stating that it benefits both nations. This comes amid a heated debate over H-1B visas, with President-elect Donald Trump and Elon Musk recently weighing in. In a recent post, Mr. Musk defended the H-1B visa programme on social media, "The reason I'm in America along with so many critical people who built SpaceX, Tesla and hundreds of other companies that made America strong is because of H1B." "I will go to war on this issue the likes of which you cannot possibly comprehend", he added.

The debate has exposed deep divisions among Mr. Trump's allies, with some supporting the H-1B visa programme as essential for the tech industry, while others see it as a threat to American jobs. Mr. Trump himself has expressed support for the programme, despite previously signing an executive order to restrict access to such visas.

India's foreign ministry spokesperson, Randhir Jaiswal, highlighted the strong economic and technological partnership between the two countries, noting that the mobility of skilled professionals is a crucial component. He emphasised that India-US economic ties benefit greatly from the technical expertise provided by these professionals, with both sides leveraging their strengths and competitive value. "Our countries have a strong and growing economic and technological partnership and within this ambit, mobility of skilled professionals is an important component," Mr. Jaiswal, told a press conference when asked about the H-1B visa discussions in the U.S. "India-U.S economic ties benefit a lot from the technical expertise provided by skilled professionals, with both sides leveraging their strengths and competitive value. We look forward to further deepening India-U.S economic ties which are to our mutual benefit", he added. The numbers speak for themselves: India received approximately 78% of the 265,777 H1B visas issued by the US in the fiscal year ended September 30, 2023. This underscores the significant role Indian professionals play in the US tech industry. Mr. Trump has expressed full support for the H1B program, despite opposition from some of his supporters. Mr. Musk, the billionaire CEO of Tesla and SpaceX, has also vowed to defend the program, stating he's willing to go to "war" for it. As the US and India look to strengthen their ties under Mr. Trump, India's foreign minister Dr S Jaishankar has already met with Mr. Trump's transition team. The country is eager to deepen its economic ties with the US, recognising the mutual benefits that arise from their partnership. This development is part of a broader trend of growing US-India cooperation, with bilateral trade increasing by 7.65% to USD 129 billion in 2022-23. Ultimately, the movement of skilled professionals between India and the US is a critical aspect of their economic and technological partnership. As both nations continue to navigate the complexities of this relationship, it's clear that mutual benefits and cooperation will remain a top priority.

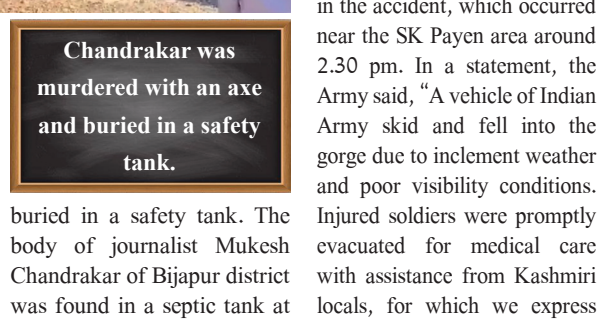

BJP pits Parvesh Verma against Arvind Kejriwal, Kailash Gahlot gets ticket

Agency: Former Lok Sabha MP Parvesh Verma will take on AAP chief Arvind Kejriwal in New Delhi, while BJP veteran Ramesh Bidhuri will contest against Delhi Chief Minister Atishi in Kalkaji as the saffron party released its first list of 29 candidates for the Delhi elections. Former Aam Aadmi Party (AAP) ministers Raaj Kumar Anand and Kailash Gahlot, who joined the BJP last year amid a fallout with the leadership, also got tickets. The entry of Parvesh Verma, who has been accused by the AAP of distributing money to voters, sets up a mouth-watering contest for the high-profile New Delhi constituency. Congress has fielded Sandeep Dikshit, the son of former Delhi Chief Minister Sheila Dikshit, from the seat.

Bengaluru Techie Atul Subhash's Wife, In-Laws Get Bail In Abetment Of Suicide Case

Agency: The wife and in-laws of Bengaluru techie Atul Subhash have been granted bail by a Bengaluru court today in the abetment of suicide case against them. Atul Subhash died by suicide on December 9 after alleging harassment by his wife and her family. Subhash's wife Nikita Singhania, her mother Nisha Singhania and brother Anurag Singhania had approached the session court in Bengaluru for bail in the case. They had earlier appealed to the Karnataka High Court to direct the session court to dispose of their bail Petition. The High Court directed the session court to dispose of the petition today. On December 14, Nikita Singhania was arrested from Gurugram while her mother and brother Anurag were picked up from Uttar Pradesh's Prayagraj. The 34-year-old had left behind a video and note detailing his marital issues, harassment and attempts of extortion by his estranged wife, her relatives and an Uttar Pradesh-based judge. He accused his wife and her relatives of driving him to suicide through "false" cases and "persistent torture". He had also accused his wife of demanding Rs 3 crore to settle the case Subhash and Singhania got married in 2019. They had a son in 2020. The parents of the techie have sought the custody of their four-year-old grandson, claiming they do not know his whereabouts. "My son was broken from inside... Even after torture by his wife and in-laws, he didn't tell anyone about it. His suicide note also mentioned that his parents be given custody of his child," said Pawan Kumar, the father of Subhash. "We are waiting for the January 7 hearing in the Supreme Court in this regard," he added.

He also claimed that Ms Singhania treated her son as an "ATM". "My grandson was ATM to her. She got money on the pretext of taking care of him. She approached the High Court demanding Rs 20,000 to Rs 40,000. She went on to appeal for Rs 80,000. Even after this, she went on demanding more money. Hence, we have approached the Supreme Court for the custody of the child as he is safe with us," he said. Earlier, the counsel for Atul Subhash had argued that the accused wife should not be allowed to use the child as a tool to get bail. "Our stand was that the crime, which they have committed is very heinous, additionally we have filed a habeas corpus petition before the Supreme Court where the court has passed directions to the three states UP, Karnataka and Haryana for ascertaining the whereabouts of the kid and once the child is found, accordingly will pass directions for considering the custody of the kid," said the techie's lawyer Akash Jindal.

As China Gets Another Covid-Like Scare, Beijing Calls It 'Winter Occurrence'

Agency: As photos and videos emerge on social media showing hospitals in China swamped with people amid rising cases of human metapneumovirus or HMPV - a respiratory illness with symptoms similar to those of a flu - there are serious concerns of another health crisis after COVID-19. Beijing however, has downplayed the developments in recent days, passing it off as an annual occurrence in winter. As international reports cautioned travelers to reconsider their travel plans to China for the time being, Beijing issued a press statement to address such concerns. China's foreign ministry spokesperson Mao Ning said on Friday that "Respiratory infections tend to peak during the winter season".Reassuring citizens and tourists, she said "I can assure you that the Chinese government cares about the health of Chinese citizens and foreigners coming to China", adding that "It is safe to travel in China". When asked about the overcrowded hospitals and reports of the surge in respiratory illnesses, she said "The diseases appears to be less severe and spread with a smaller scale compared to the previous year". She also urged citizens and tourists to refer to the guidelines issued by the National Disease Control and Prevention Administration of China. Over the last few days there has been a sudden spike in respiratory illnesses across China, reminding people of a similar surge during COVID-19. The media in neighbouring countries like Indonesia, India, and Japan also cautioned its citizens to be aware of the situation in China and take needed precautions. HMPV causes flu-like symptoms and can lead to severe respiratory issues, especially among children and vulnerable groups. It is a respiratory virus that causes upper and lower respiratory infections. The disease was first identified in 2001, however, there is no vaccine developed to prevent this. The symptoms of HMPV are similar to those of flu, like cough, fever, nasal congestion and shortness of breath. However, in severe cases, the virus can lead to complications like bronchitis or pneumonia. Depending on how severe a case is, the incubation period usually lasts 3-7 days and full recovery may take a few more. HMPV is a communicable disease, which means it can spread through the air as well as through touch. Coughing or sneezing can spread it. The virus stays active on the surface of objects at room temperature, so touching such an object can also lead to getting the infection. It is similar to Covid in many ways. Some of the similarities being that they both are respiratory illnesses and lead to coughing, fever, congestion, sore throat and shortness of breath. They both spread through respiratory droplets.